DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | सोमवार 30 मई 2022 | पीडीएफ अंक-40 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

महामारी के दौर में भारतीय स्टार्ट-अप लगा रहे लंबी छलांग : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में तेजी से विकसित हो रही स्टार्टअप इंडस्ट्री की उपलब्धि साझा करते हुए रविवार को बताया कि भारत में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौर में भी देश के स्टार्टअप धन और मूल्य सृजित कर रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत के सामर्थ्य के प्रति एक नया विश्वास जगाती है। यूनिकॉर्न उन कंपनियों को कहा जाता है जिनका वार्षिक टर्नओवर साढ़े सात हजार करोड़ रुपये से अधिक का होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को मन की बात के 89वें संस्करण में स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूह, तीर्थक्षेत्रों की स्वच्छता, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और भारतीय भाषाओं सहित समाज से जुड़े अनेक विषयों पर अपने विचार लोगों से साझा किए। प्रधानमंत्री ने यूनिकॉर्न से जुड़ी उपलब्धि की तुलना क्रिकेट के मैदान में भारतीय खिलाड़ियों की ओर से लगाए गए शतक से की। उन्होंने कहा कि भारत ने एक और मैदान में शतक लगाया है। इस माह की पांच तारीख को भारत ने 100 यूनिकॉर्न का आंकड़ा छू लिया है। यह देश के लिए गर्व का विषय है। एक यूनीकॉर्न कम-से-कम साढ़े सात हजार करोड़ रुपए का स्टार्टअप होता है। यह यूनीकॉर्न का कुल 25 लाख करोड़ रुपयों से भी ज्यादा के है। उन्होंने कहा कि ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44 पिछले साल बने थे। इतना ही नहीं इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए। इसका मतलब यह हुआ कि वैश्विक महामारी के इस दौर में भी हमारे स्टार्ट-अप, संपत्ति और कीमत सृजित करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की यूनिकॉर्न इको-सिस्टम की सालाना विकास दर अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों से ज्यादा है। विश्लेषकों की मानें तो आने वाले वर्षों में इस संख्या में तेज उछाल देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यूनीकॉर्न ई-कॉमर्स, फिन-टेक, एड-टेक, बायो-टेक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। स्टार्टअप की दुनिया नये भारत की गति को दशार्ती है। आज भारत का स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों से भी इंटरप्रिन्योर (उद्यमी) सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धालुओं से तीर्थस्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण दिवस के मद्देनजर लोगों से स्वच्छता के साथ वृक्षारोपण का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें तीर्थ स्थलों की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। सुचिता, साफ-सफाई और एक पवित्र वातावरण बनाए रखें। इस-के लिए हमें स्वच्छता के संकल्प को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय हमारे देश में उत्तराखंड के 'चार-धाम' की पवित्र यात्रा चल रही है। चार-धाम और खासकर केदारनाथ में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लोग अपनी चार-धाम यात्रा के सुखद अनुभव के साथ यात्रियों की ओर से फैलाई जा रही गन्दगी पर दुख जता रहे हैं। हम पवित्र यात्रा पर जायें और वहां गन्दगी का ढेर हो ये ठीक नहीं है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कुछ दिन बाद ही 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है। पर्यावरण को लेकर हमें अपने आस-पास सकारात्मक अभियान चलाना चाहिए और ये निरंतर करने वाला काम है। आप इस बार सब को साथ जोड़ कर स्वच्छता और वृक्षारोपण के लिए कुछ प्रयास जरूर करें। खुद भी पेड़ लगाइये और दूसरों को भी प्रेरित कि-रए। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से 21 जून को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वह इसके लिए अपने शहर के विशेष स्थान का चयन करें। इसमें प्राचीन मंदिर और पर्यटन केंद्र, प्रसिद्ध नदी, झील या तालाब का किनारा भी हो सकता है। इस बार के योग दिवस की थीम मानवता के लिए योग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में इस बार अमृत महोत्सव को ध्यान में रखते हुए देश के 75 प्रमुख स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन होगा। इस अवसर पर कई संगठन और देशवासी अपने-अपने स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र की खास जगहों पर कुछ न कुछ नवाचार करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी हाल की जापान यात्रा को याद किया जिसमें उन्होंने भारतीय संस्कृति के बारे में भावुक तीन दिलचस्प व्यक्तियों से मुलाकात की। इनमें केंजी योशी, अत्सुशी मात्सुओ और हिरोशी कोइके शामिल हैं। उन्होंने आत्सुशि मात्सुओ और केन्जी योशी के बारे में बताया। दोनों ही टीईएम निर्देशन कंपनी से जुड़े हैं। इस कंपनी का संबंध 1993 में रिलिज हुई रामायण की जापानी एनिमेशन फिल्म से है। यह परियोजना जापान के बहुत ही मशहूर फिल्म निर्देशक युगो साको से जुड़ी हुई थी। करीब 40 साल पहले, 1983 में, उन्हें पहली बार रामायण के बारे में पता चला था। रामायण उनके हृदय को छू गयी, जिसके बाद उन्होंने इस पर गहराई से शोध किया। इतना ही नहीं, उन्होंने, जापानी भाषा में रामायण के 10 वर्जन पढ़े और इसे भारतीय एनिमेटर की मदद से फिल्म बनाई। उन्होंने बताया कि अब इस फिल्म को 4के रिजोल्यूशन में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक जाने-माने आर्ट निर्देशक हिरोशि कोड़के हैं। हिरोशि ने महाभारत परियोजना का निर्देशन किया है। इस परियोजना की शुरूआत कंबोडिया में हुई थी और पिछले 9 सालों से ये निरंतर जारी है। हिरोशि कोड़के हर काम बहुत ही अलग तरीके से करते हैं। वे हर साल एशिया के किसी देश की यात्रा करते हैं और वहां स्थानीय कलाकार और संगीतकार के साथ महाभारत के कुछ हिस्सों को निर्देशित करते हैं। प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूह को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इस समूह के उत्पादों का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आत्मनिर्भर अभियान को गति मिलेगी। स्व से ऊपर उठकर समाज की सेवा का मंत्र हमारे संस्कारों का हिस्सा है। देश में अनगिनत लोग इस मंत्र को अपना जीवन ध्येय बनाये हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम कर्त्तव्य पथ पर चलते हुए ही समाज को सशक्त कर सकते हैं, देश को सशक्त कर सकते हैं। आजादी के इस अमृत महोत्सव में यही हमारा संकल्प होना चाहिए और यही हमारी साधना भी होनी चाहिए और जिसका एक ही मार्ग कर्तव्य है। उन्होंने आन्ध्र प्रदेश में मकार्पुरम निवासी राम भूपाल रेड्डी का जिक्र किया। रामभूपाल ने सेवानिवृति के बाद मिलने वाली अपनी सारी कमाई करीब 25 लाख रुपये से अधिक 100 लड़कियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाते खुलवा कर उसमें जमा करवा दी। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में आगरा के कचौरा गांव में मीठे पानी की समस्या को दूर करने वाले किसान कुंवर सिंह का भी उल्लेख किया। उन्होंने गांव तक पानी पहुंचाने के लिए 30-32 लाख रुपये खर्च किये। प्रधानमंत्री ने कहा हमारे देश में कई भाषाएं और लिपियां और बोलियों का समृद्ध खजाना है। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पहनावा, खानपान और संस्कृति ये हमारी पहचान है।

न्यूज फ्लैश

दो वर्ष बाद पुनः शुरू हुई भारत-बांग्लादेश ट्रेन सेवा

कोलकता। भारत और बांग्लादेश के बीच ट्रेन सेवा कोरोना के चलते लगभग दो वर्ष से अधिक समय तक बंद रहने के बाद रविवार से एक बार फिर शुरू हो गई। रविवार को कोलकाता स्टेशन से बांग्लादेश के खुलना स्टेशन के लिए बंधन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ईस्टर्न रेलवे सियालदाह के पीआरओ और असिस्टेंट कॉमर्सियल मैनेजर एचएन गंगोपाध्याय ने रविवार को बताया कि आज से बंधन एक्सप्रेस और मैत्री एक्सप्रेस का संचालन फिर से शुरू किया जा रहा है। बांग्लादेश से अधिकतर यात्री घूमने, मेडिकल सेवा के लिए और खरीददारी के लिए भारत आते हैं। पहले दिन बंधन एक्सप्रेस पर सिर्फ 19 यात्री सवार थे। वहीं, मैत्री एक्सप्रेस में 100 यात्रियों ने अपनी यात्रा पूरी की। उन्होंने बताया कि समय बढ़ने के साथ इन ट्रेनों में भी भीड़ बढ़ेगी। ईआर के प्रवक्ता एकलव्य चक्रवर्ती ने बताया कि भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री रेल सेवा कोरोना के चलते दो वर्ष से बंद थी। रविवार सुबह यह सेवा 7.10 बजे कोलकाता स्टेशन से बंधन एक्सप्रेस के रवाना होने के साथ ही बहाल हो गई। बंधन एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन चलती है। जबकि कोलकाता से बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिए मैत्री एक्सप्रेस सप्ताह में पांच दिन संचालित होगी। चक्रवर्ती ने बताया कि भारत और बांग्लादेश के बीच रेल सेवा को और अधिक सुगम बनाने के लिए 1 जून से मिताली एक्सप्रेस भी शुरू हो जाएगी। यह ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से ढाका तक जाएगी।

महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट ने बढ़ाई चिंता, सरकार ने दी मास्क पहनने की हिदायत

मुंबई। महामारी कोरोना के घातक वायरस के स्वरूपों का सिलसिला जारी है लिहाजा राज्य में कोरोना केसों में हो रही बढ़ोतरी और ओमिक्रोन के बेहद संक्रामक बीए.4 और बीए.5 वेरिएंट के मरीज पाए जाने के बाद सरकार ने लोगों को आगाह किया है। समाचार के मुताबिक, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि जिन जिलों में कोरोना के केसों में इजाफा हो रहा है, वहां के लोग ज्यादा सावधान रहें और मास्क पहनकर रखें। पिछले महीने राज्य में मास्क की अनिवार्यता खत्म कर दी गई थी। अब बदले हालात में सरकार फिर से सतर्कता बरतने पर जोर दे रही है। अधिकारियों को भी संक्रमण रोकने के निर्देश दिए गए हैं। ओमिक्रोन को बेहद तेजी से फैलने वाला वैरिएंट माना जाता है। अब इसके नए बदले हुए रूप में सामने आने से चिंता बढ़ गई है। खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र में शनिवार को पहली बार ओमिक्रोन के सब वैरिएंट बी.ए.4 के चार मरीज पाए गए थे। इसके अलावा बी.ए. 5 के तीन मरीज भी मिले थे। अधिकारियों के मुताबिक, ये सभी केस पुणे में पाए गए। मरीजों में चार पुरुष और तीन महिलाएं हैं। इनमें 10 साल से कम उम्र का एक बच्चा भी है। सभी में कोरोना के हल्के लक्षण हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है। उन्हें घर पर ही आइसोलेशन में रखा गया है। बता दें कि भारत में ओमिक्रोन के सब वैरिएंट बी.ए.4 और बी.ए.5 के सबसे पहले केस तमिलनाडु और हैदराबाद में पाए गए थे। महाराष्ट्र में कोरोना केसों में लगातार इजाफा हो रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राज्य में कोविड के 529 नए मामले दर्ज किए। हालांकि किसी मौत की खबर नहीं है। इससे पहले शुक्रवार को 536 नए मामले मिले थे। महाराष्ट्र के जिन जिलों में सबसे ज्यादा कोरोना केस आ रहे हैं, उनमें मुंबई सबसे ऊपर है। शनिवार को मुंबई में कोरोना के 330 नए केस दर्ज किए। पड़ोसी ठाणे शहर में 38 मामले पाए गए। पुणे में 32 और नवी मुंबई में 31 मरीज मिले। पड़ोसी सैटलाइट शहरों और निगम एरिया वाले मुंबई सर्कल में 448 मामले रिकॉर्ड किए गए। कोरोना के नए वेरिएंट पाए जाने के बाद स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शनिवार को कहा कि जिन जिलों में कोरोना केस बढ़ रहे हैं, वहां लोगों को मास्क पहनना चाहिए और अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी ये नियंत्रण में हैं। मौतों की संख्या भी काफी कम है। मंत्री ने स्वास्थ्य अधिकारियों को वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

आधार कार्ड की केवल मास्क्ड प्रतियों को ही किसी के साथ साझा करें, सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आधार कार्ड को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने नागरिकों से कहा है कि वे दुरुपयोग रोकने के लिए अपने आधार कार्ड की केवल नकाबपोश (मास्क्ड) प्रतियां ही किसी के साथ साझा करें। र-विवार को सरकार ने अपने बयान में कहा कि अपने आधार की फोटोकॉपी किसी व्यक्ति या संस्थान के साथ धड़ल्ले से साझा न करें, क्योंकि इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। सरकार ने इसका विकल्प बताते हुए सिर्फ नकाबपोश आधार ही साझा करने की सलाह दी है। आपको बता दें कि इसपर सिर्फ केवल अंतिम चार अंक दर्ज होते हैं। इसके अलावा केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि बिना लाइसेंस वाली निजी संस्थाएं होटल की तरह हैं और सिनेमा हॉल को आधार कार्ड की प्रतियां एकत्र करने या रखने की अनुमति नहीं है। सरकार ने कहा केवल वे संगठन जिन्होंने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से उपयोगकर्ता लाइसेंस प्राप्त किया है, वे ही किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं। सरकार ने नागरिकों से अपने आधार कार्ड साझा करने से पहले यह सत्यापित करने के लिए कहा कि किसी संगठन के पास यूआईडीएआई से वैध उपयोगकर्ता लाइसेंस है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने लोगों को अपने आधार कार्ड डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट कैफे में सार्वजनिक कंप्यूटर का उपयोग नहीं करने की चेतावनी दी है। सरकार ने अपनी सलाह में कहा है यदि आप ऐसा करते हैं तो कृपया सुनिश्चित करें कि आप उस कंप्यूटर से ई-आधार की सभी डाउनलोड की गई प्रतियों को स्थायी रूप से हटा दें।

संगठन का जायजा लेने जेपी नड्डा जून में करेंगे पश्चिम बंगाल का दौरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा संगठन में जान फूंकने की कोशिश शीर्ष नेतृत्व ने शुरू कर दी है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के जून में पश्चिम बंगाल के दौरे पर जाने की संभावना है। पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शनिवार को बताया कि नड्डा यहां संगठन का जायजा लेने के वास्ते एक दिन के लिए राज्य का दौरा करेंगे। मजूमदार ने कहा, हालांकि तारीख और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, वह संभवतः सात जून या आठ जून को राज्य का दौरा करेंगे। वह संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे। नड्डा का दौरा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह के तृणमूल कांग्रेस में वापस शामिल होने के कुछ दिनों बाद होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस महीने की शुरूआत में पश्चिम बंगाल का दौरा किया था और राज्य इकाई से तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करने को कहा था। नड्डा की प्रस्तावित यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी की राज्य इकाई अंदरूनी कलह से जूझ रही है।

नेपाल में तारा एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 4 भारतीय समेत 22 लोग थे सवार

नई दिल्ली। नेपाल में एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटने के बाद तारा एयर का एक विमान हादसे का शि-कार हो गया है। मुस्तांग के लार्जुंग में इस विमान को दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में देखा गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी है कि वहां उन्होंने आग की तेज लपटें उठती देखी हैं। इस विमान के रेस्क्यू के लिए एक हैलीकाप्टर भेजा गया था, लेकिन खराब मौसम की वजह से वह घटनास्थल पर लैंड नहीं कर सका। इसके बाद सेना और पुलिस की एक टीम को जमीनी मार्ग से भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि नेपाल के तारा एयर के विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से रविवार संपर्क टूट गया था। इस ट्विन इंजन एयरक-ाफ्ट पर चालक दल के सदस्यों सहित कुल 22 लोग सवार थे। यह फ्लाइट पोखरा से जॉमसम जा रही थी। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू के लिए भेजे गए हेलीकॉप्टर को वापस पोखरा लौटना पड़ा। सेना का हेलीकॉप्टर भी दुर्घटना के संभावित स्थान तक नहीं पहुंच पाया। इसके बाद नेपाली सेना और पुलिस की विशेष टीम को पैदल दुर्घटना के स्थान के लिए रवाना किया गया है। विमान ने रविवार सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर पोखरा से उड़ान भरी थी। विमान को 10 बजकर 20 मिनट पर अपने गंतव्य पर लैंड करना था, लेकिन इसी बीच इसका एटीसी से संपर्क टूट गया। नेपाल में भारतीय दूतावास के अधिकारी नेपाल के अधिकारियों से संपर्क में है। अभी तक दुर्घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भारत की नजर पूरे घटनाक्रम पर। इस हादसे को लेकर काठमांडू में भारतीय दूतावास ने एक इमरजेंसी हॉटलाइन नंबर जारी किया है। इस विमान के यात्रियों के परिजन +977-9851107021 पर कॉल करके नेपाली विमान के संबंध में जारी ले सकते हैं। नेपाल के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक लापता विमान में 4 भारतीय और 3 जापानी नागरिक सवार थे, जबकि बाकी लोग नेपाल के हैं। विमान में चालक दल सहित कुल 22 यात्री सवार थे। तारा एयर के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने बताया कि इस फ्लाइट पर कैप्टन प्रभाकर प्रसाद घिमिरे, सह-पायलट उत्सव पोखरेल और एयर होस्टेस किसमी थापा सवार थे।

जॉमसोम हवाई अड्डे पर एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी ने कहा है कि उन्होंने जोमसोम के घासा में एक तेज आवाज सुनी। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पोखरा हवाई अड्डे के प्रमुख बिक्रम राज गौतम ने भी इस बात की पुष्टि की है कि जहाज टावर के संपर्क से बाहर चला गया है। एक अधिकारी के मुताबिक जहाज एक बार धौलागिरी हिमालय से लौट आया और उसके बाद संपर्क टूट गया।

'एशियाई सम्मेलन रिवर कॉन्क्लेव' में केंद्रीय वित्त मंत्री ने लिया हिस्सा

गुवाहाटी। गुवाहाटी में आयोजित 'एशियाई सम्मेलन रिवर कॉन्क्लेव, 2022' के अंतिम दिन रविवार को कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एशियन कॉन्फ्रेंस की पहल पर रिवर-3.0 के जरिए असम सरकार ने बीबीआईएन, आसियान और बिम्सटेक क्षेत्रों में उप-क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि विश्व की तेजी से बदलती सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में संचार, व्यापार, संस्कृति और दक्षता विकास में हमारा आपसी सहयोग बढ़ाना, प्र-ाकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग हमारे क्षेत्र में समृद्धि की कुंजी है। हमारे पास एशिया के भीतर असम को एक महत्वपूर्ण नदी क्रूज हब बनाने की योजना है। हम अपने भूमि मार्ग, रेलवे और हवाई मार्ग के माध्यम से आसियान और बांग्लादेश से जुड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास कर रहे हैं। आज के कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भाग लेने पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार व्यक्त किया। आज के कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, मंत्री अजंता नेउग, राज्य के मुख्य सचिव जिष्णु बरुवा, एशियन सम्मेलन के अध्यक्ष एमपी बेजबरुवा, कार्यका-री निदेशक सब्याची दत्ता समेत अन्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। ज्ञात हो कि शनिवार को केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सम्मेलन में हिस्सा लिया था।

न्यायपालिका का एक हिस्सा गुलाम बन गया, हर मामले में देता है सीबीआई जांच का आदेश : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने पूर्वी मिदनापुर जिला में पार्टी कार्यकताओं की एक बैठक में कहा कि न्यायपालिका का एक छोटा सा हिस्सा गुलाम बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच का आदेश दे रहा है। अभिषेक बनर्जी ने हल्दिया के बंदरगाह शहर में कहा मुझे यह कहते हुए शर्म आती है कि न्यायपालिका का एक बहुत छोटा हिस्सा सरकार का लाड़ला बन गया है। एक या दो व्यक्ति समझ के साथ काम कर रहे हैं। सभी नहीं, केवल एक प्रतिशत। वे हर मामले में सीबीआई जांच के आदेश दे रहे हैं। वे हत्या की चल रही जांच पर भी रोक लगाने का आदेश दे रहे हैं। क्या आपने कभी इस बारे में सुना है? आप हत्या की जांच पर रोक लगाने का आदेश नहीं दे सकते। उनके इस बयान पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया की है। अभिषेक बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्होंने यह आरोप क्यों लगाया कि न्यायपालिका का एक हिस्सा निदेशों के तहत काम कर रहा था, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह परोक्ष रूप से इस तथ्य की ओर इशारा कर रहे थे कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों के तहत सीबीआई द्वारा 272 मामलों की जांच की जा रही है। इनमें से अधिकांश मामलों में राजनीतिक हिंसा शामिल है, जो टीएमसी के 2021 के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हुई थी। उन्होंने कहा, यदि आप (न्यायपालिका) मेरे द्वारा कही गई बातों के लिए मेरे खिलाफ कार्रवाई करना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। मैं सच बोलने से नहीं हिचकिचाता। मैं टेलीविजन कैमरों के सामने एक हजार बार, दस हजार बार सच बोलूंगा। उन्होंने कोयला तस्करी मामले का उल्लेख किए बिना प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उन्हें भेजे गए सम्मन का भी उल्लेख किया, जिसमें वह और उनकी पत्नी रुजीरा संदिग्ध हैं। सीबीआई ने उनसे पिछले साल पूछताछ की थी। अभिषेक बनर्जी ने कहा सीबीआई और ईडी लगातार मुझे निशाना बना रहे हैं लेकिन मैंने उनके सामने अपना सिर नहीं झुकाया है। मैं किसी एजेंसी या जांच से नहीं डरता। ईडी ने मुझे दो बार दिल्ली बुलाकर परेशान करने की कोशिश की। मैं कभी किसी एजेंसी से नहीं भागा। मैंने उनसे कहा कि अगर वे मुझसे पूछताछ करना चाहते हैं, तो उन्हें बंगाल आना चाहिए। मैं इस मिट्टी का पुत्र हूं।

चारधाम यात्रा: 26 दिनों में 11,97257 श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

ऋषिकेश। हेमकुंड साहिब सहित चारधाम यात्रा में अबतक 11 लाख 97 हजार 257 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। रविवार को भी ऋषिकेश से 90 बसों में सवार करीब 3000 से अधिक यात्रियों को रवाना किया गया। गत 3 मई से चारधाम यात्रा शुरू हुई और अबतक 26 दिनों में श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर व्यापक उत्साह देखा जा रहा है। एडीएम एके बरनवाल ने बताया कि प्रशासन द्वारा इस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए स्लाट व्यवस्था की गई है। जिसके कारण चारधाम सहित हेमकुंड साहिब में यात्रियों का जमावड़ा नहीं लगने दिया जा रहा है ,जिसके लिए ऋषिकेश सहित उत्तराखंड में 20 स्थानों पर यात्रियों की सुविधा के लिए पंजीकरण व्यवस्था की गई है। पंजीकरण करवाने के बाद ही यात्रियों को यात्रा के लिए भेजा जा रहा है। बरनवाल ने बताया कि 2 वर्षों से कोरोना काल के चलते यात्रा में अवरोध हो गया था। इसके बाद अब यात्री चारधाम यात्रा के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। जिन्हें ऋषिकेश की तमाम धर्मशालाओं में रोका गया है और उनके लिए शासन की ओर से समाजसेवी संस्थाओं के माध्यम से भोजन की व्यवस्था की गई है। ट्रैवल एजेंटों द्वारा यात्रियों के पंजीकरण के नाम पर साइबर कैफे में ले जाकर गलत जानकारी से गुमराह किया जा रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद प्रशासन ने ऋषिकेश सहित कई स्थानों पर ऐसे पंजीकरण करने वाले साइबर कैफे संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। यात्रियों से अपील की गई है कि किसी ऐसे व्यक्ति के झांसे में ना आएं जो साइबर कैफे के माध्यम से पंजीकरण करवाकर यात्रा पर भेजे जाने की बात कह रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को संयुक्त रोटेशन व्यवस्था समिति के माध्यम से 70 और रोडवेज की 20 बसों में यात्रियों को चारधाम के लिए रवाना किया गया, इसी के साथ एसडीआरएफ ने 1200 यात्रियों का और एथिक्स इन्फोटेक कंपनी ने 1000 का पंजीकरण किया है। एडीएम बरनवाल ने बताया 28 मई तक यमुनोत्री में 229624, यमुनोत्री में 170894, केदारनाथ में 381622 , बद्रीनाथ में 402869 और हेमकुंड साहिब में 12252 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। उसके बावजूद ऋषिकेश में आज भी लगभग 5000 से अधिक यात्री ठहरे हुए हैं, जिन्हें एक-दो दिनों में यात्रा पर भेजा जाएगा। चारधाम यात्रा पर जाने वाले यात्री अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अपना स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही यात्रा पर जाएं।

केंद्र सरकार रोजगार देने के बजाए छीन रही नौकरियां: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार युवाओं को रोजगार देने की बजाय उनकी नौकरियां छीन रही है और यह काम उसको महंगा पड़ेगा। गांधी ने ट्वीट किया कि मोदी सरकार नई नौकरियां नहीं दे रही लेकिन बची हुई नौकरियां छीनने में जरूर सक्षम है। याद रहे, यही युवा आपके सत्ता के घमंड को तोड़ेगा। इनके भविष्य को बर्बाद करना इस सरकार को महंगा पड़ेगा।' इसके साथ ही उन्होंने एक खबर पोस्ट की है जिसमें लिखा है कि रेलवे में 90000 पदों पर नौकरी मिलने की संभावना समाप्त हो गई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी इस मुद्दे पर सरकार पर हमला किया और कहा कि बेरोजगारी ने 45 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, करोड़ों ने रोजगार की उम्मीद छोड़ दी, अब रेलवे में 50 प्रतिशत नौकरियां हमेशा के लिए समाप्त। 91,629 पदों पर अब कभी भर्ती नहीं। गांव से शहर तक युवा, रेलवे और सेना में भर्ती के लिए दिन रात जुटे हैं, मगर मोदी सरकार में भर्ती और उम्मीद दोनों समाप्त।

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 2

सम्पादकीय

मोदी की कथनी और करनी में गजब की समानता

जब कोई व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्म पथ पर अग्रसर होता है तो विश्व समुदाय उसका अनुगामी हो जाता है। इस दायरे में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रखा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसा लगता है कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में ऐसी पहली सरकार बनी है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, इसके विपरीत इसके पूर्ववर्ती सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार के अनेक दाग लगे। भारत की जनता ने इस बात की उम्मीद ही छोड़ दी थी कि अब भारत में भ्रष्टाचार कभी समाप्त होगा, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार ने इस धारणा को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसी बड़ी लकीर खींचने का अहर्निश साहस दिखा रहे हैं, जिसकी देश को दशकों से आवश्यकता थी। वर्षों तक विदेशों के समकक्ष दायित्व वालों के पीछे रहने वाला भारत आज उनके साथ गौरव के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। जो कहीं न कहीं भारत की शक्ति को प्रकट कर रहा है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं पत्थर पर लकीर खींचता हूं, मक्खन पर नहीं। यह पंक्ति भले ही एक कहावत के तौर पर प्रचलित है, लेकिन इसके भावार्थ बहुत ही गहरे हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने जो कार्य किए हैं, वह आज मील के पत्थर के तौर पर स्थापित हुए हैं। वह चाहे तीन तलाक का मामला हो या फिर जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के हटाने का मामला ही क्यों न हो, राजनीतिक दलों ने देश का जनमानस ऐसा बना दिया था कि इसके बारे में बात करने से भी पसीने छूट जाते थे। इतना ही नहीं जो राजनीतिक दल इसका राजनीतिक और आर्थिक लाभ उठा रहे थे, उन्होंने भी देश में इस प्रकार का डर का वातावरण पैदा किया कि धारा 370 को हटाने के बाद देश में गृह युद्ध के हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन यह केवल बातें ही सिद्ध हुईं। कौन नहीं जानता कि जम्मू कश्मीर में राजनीति करने वाले फारुक अबदुल्ला और मेहबूबा मुफ्ती ने किस प्रकार की भाषा बोली। उनकी वाणी से हमेशा यही प्रतीत होता था कि वह पाकिस्तान परस्त भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा था कि कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि तिरंगा कोई सामान्य कपड़ा नहीं है, जिसको उठाने की आवश्यकता हो। तिरंगा तो इस देश की आन बान और शान का प्रतीक है। इसके बारे में इस प्रकार की धारणा रखना, निश्चित ही देश भाव के साथ मजाक ही है। इस प्रकार भाषा पाकिस्तान के किसी व्यक्ति द्वारा बोली जाती तो समझ में आता है, लेकिन हमारे भारत के मुकुटमणि के बारे में ऐसा बोलना निश्चित ही देशद्रोहिता ही कही जाएगी। अब जम्मू कश्मीर में सुखद बयाी की अनुभूति कराने वाला दृश्य एपस्थित हो रहा है। जो मोदी सरकार की एक बड़ी लकीर के रूप में प्रमाणित हो रहा है। इसी प्रकार लम्बे समय से निर्णय की प्रतीक्षा करते हुए राम मंदिर का मामला भी मोदी जी के कार्यकाल में सुखद परिणाम देने वाला रहा। वास्तविकता में इस मामले का हल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निकाला गया, लेकिन इसका श्रेय मोदी सरकार के कार्यकाल को ही दिया जा सकता है। यह सारे मामले वास्तव में पत्थर पर लकीर खींचने जैसे ही कहे जा सकते हैं। इसी कारण देश की जनता उनके इन साहसिक निर्णयों के साथ जुड़ती जा रही है। जबकि विपक्षी राजनीतिक दलों की कार्य संस्कृति के चलते जनता इतनी दूर हो गई है कि उनको अपने भविष्य को बचाने के लिए राजनीतिक चिंतन और मंथन की आवश्यकता होने लगी है। हम जानते हैं कि अभी हाल ही में कांग्रेस ने सत्ता पाने की चाह में राजस्थान के उदयपुर में चिंतन किया, जो वास्तव में ढाक के तीन पात वाला ही सिद्ध हुआ। यह वास्तविकता ही है कि कांग्रेस ने जिस प्रकार से मुस्लिम और ईसाई तुष्टिकरण का कार्य किया, उसके कारण निश्चित ही देश का राष्ट्रीय भाव के साथ विचार करने वाला बहुसंख्यक समाज उससे दूर होता चला गया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में सबका साथ और सबका विकास वाली अवधारणा ही दिखाई देती है। अब तो केन्द्र सरकार ने अंत्योदय की अवधारणा पर कदम बढ़ाते हुए सबका विश्वास अर्जित करने का साहसिक प्रयास करने की ओर कदम बढ़ा दिया है, जिसके परिणाम भी अच्छे आएंगे, यह पूरा विश्वास भी है। आज देश के विपक्षी राजनीतिक दल मोदी सरकार की कार्यशैली से इसलिए भी भयभीत से दिखाई देते हैं, क्योंकि दोनों की कार्यशैली में जमीन आसमान का अंतर है। जहां एक ओर देश की जनता मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा को पसंद कर रही है, वहीं कांग्रेस की भाषा को सुनकर दूर होती जा रही है।

कितनी उचित है यासिन मलिक को सजा?

लेखक- के. विक्रम राव /ईएमएस

स्वतंत्र कश्मीर के लिये मुजाहिद यासिन मलिक को कल (25 मई 2022) उम्रकैद हो गयी। अभियोजन के (सरकारी) वकील नील कमल ने फांसी की सजा मांगी थी। यासिन के वकील अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि "गौर किया जाये कि यासिन ने 1994 से हिंसा तज दी थी।" आरोपी ने कहा उसकी आस्था गांधीवादी हो गयी है। मगर जज प्रवीण सिंह ने टोका कि "चौराचौरी की हिंसा के बाद बापू ने आंदोलन वापस ले लिया था। हिंसा की भर्त्सना की थी। यासिन ने ऐसा नहीं किया। लिहाजा आजीवन कारावास।" मगर यह सजा आंशिक है, केवल एक पक्ष में ही दी गयी है। यासिन के सहअभियुक्तों में डा. फारुख अब्दुल्ला, तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त आरवीएस पेरिशास्त्री, राजीव गांधी भी नामित होने चाहिये। कारण ? भारत सरकार की एक साजिशभरी हरकत ने इस भ्रमित भारतद्रोही (मगर कट्टर पाकिस्तान-विरोधी), प्रताप कालेज के स्नातक को आतंकवादी बना दिया। जम्मू-कश्मीर आजादी फ्रन्ट का सिरमौर बना दिया। हत्यारा बना दिया। कश्मीर घाटी में 1987 में राज्य विधानसभा का चुनाव था। एक पोलिंग बूथ पर यासिन तब मुस्लिम यूनाइटेड फ्रन्ट के प्रत्याशी मोहम्मद यूसुफ शाह का चुनाव एजेंट था। अमीर कदल विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी ने आधी रात के बाद यासिन को बताया कि "उसकी पार्टी का प्रत्याशी काफी बढ़त बनाये है। सुबह तक वह विजयी घोषित हो जायेगा। अतः अब घर जायें। आराम करें।" सरकारी तंत्र पर यकीन कर इक्कीस-वर्षीय यासिन घर चला गया। सुबह उसने अखबार में पढ़ा कि फारुख अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस का प्रतिद्वंदी विजयी घोषित हो गया। अंतिम चक्र की मतगणना में उसके वोट उसकी जमानत बचाने लायक भी पर्याप्त नहीं थे। जीत का तो सवाल ही नहीं था। विधानसभा में फारुख अब्दुल्ल तथा राजीव-कांग्रेस को बहुमत मिल गया। मुझसे एक इन्टर्व्यू में (श्रीनगर 3 जनवरी 1991) को यासिन ने इस नाइंसाफी और फजीर्वाडा को सिलसिलेवार वर्णित कर बताया था। तब वह श्रीनगर में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों की हत्या का अभियुक्त था। विशेष अनुमति पर सरकार ने फौजी हिरासत में यासिन से मुझे मिलाया था। मगर तबतक भारत के लोकतांत्रिक मतदान में उसकी आस्था नष्ट हो चुकी थी। प्रेस कांउसिल का सदस्य होने के कारण मैं ने अपने अध्यक्ष तथा सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज ने राजेन्द्र सिंह सरकारिया को यह घटना बतायी थी। इसके अलावा प्रेस कांउसिल की जांच समिति में मेरे सहसदस्य तथा सम्पादक पत्रकार बीजी वर्गीस को भी इस इन्टर्व्यू के बारे में बता दिया था। वर्गीस इंडियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स तथा टाइम्स आफ इंडिया के संपादक रह चुके थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार को भी इस बारे में पता था। उसी दौर में वीपी सिंह सरकार के गृहमंत्री रहे मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबिया (महबूबा की अनुजा) का अपहरण हुआ था। पांच क्रूर आंतकवादियों की रिहाई के एवज में रुबिया मुक्त हुयी थी। नूरा कुश्ती के शक की सुई केन्द्रीय गृहमंत्री पर टिकी थी। अर्थात यासिन की बात वजनदार ही थी। भारत का सत्ता केन्द्र कश्मीरी आवाम को अब्दुल्ला-सल्तनत का गुलाम ही बनाये रखना चाहती थी। और इसीलिये यासिन ने हथियार उठा लिये, जो माओत्से तुंग ने पीड़ितों को सिखाया था। हिरासत में पूछा भी था मुझसे यासिन ने : "क्या विकल्प है हम पीड़ितों के लिये?" मेरा सवाल था "कब तक लड़ोगे?" वह बोला "आप अंग्रेजों से कब तक लड़ते रहे?" समझाने की कोशिश में मैंने कहा : "गोरे लोग सात समुंदर दूर थे। हम तो पहाड़ के नीचे है।" वह नहीं माना। यासिन बोला पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी जंग चलेगी। फिर मैंने जानना चाहा कि "कश्मीर यदि इस्लाम के नाम पर भारत से अलग हुआ था, तो आपके तीस करोड़ सहधर्मी भारत में किस आधार पर रह पायेंगे ?" यासिन का उत्तर बड़ा स्पष्ट और साफ था :" कश्मीरियों का कोई भी वास्ता इन हिन्दुस्तानी मुसलमानों से नहीं है। हमारी लड़ाई जुदा है।" आकर मैंने दिल्ली और लखनऊ में सबको बताया। मगर कोई भी मिल्लत का आदमी अथवा जमात ने यासिन को मजहब का वास्ता देकर समझाने की तनिक भी कोशिश नहीं की। यासिन मलिक त्रासद का शिकार रहा। अटल बिहारी वाजपेयी ने उसका पासपोर्ट जारी किया था। केन्द्रीय काबीना मंत्री जार्ज फर्नांडिस उससे मिले थे ताकि संवाद द्वारा समाधान निकले। सरदार मनमोहन सिंह ने यासिन को अपना राज्य अतिथि बनाया था। फिर बात क्यों नहीं बनी ? बेईमान मतदान प्रणाली जो जनमत से प्रवंचना करती है, वही एकमात्र कारण रही। यह बात 1977 की है। केन्द्रीय चुनाव आयोग के अधिकारी मोरारजी देसाई के पास पूछने गये थे : "कश्मीर और बंगाल के विधानसभाई मतदान पर क्या आदेश है? " प्रधानमंत्री को पहले अचरज हुआ फिर आक्रोशित हुये। उनका सुझाव था : " निर्बाध, निष्पक्ष चुनाव हो।" नतीजन मार्क्सवादी कम्युनिस्ट बंगाल में और शेख अब्दुल्ला श्रीनगर में पूरे बहुमत से जीते। तभी शेख ने कहा भी : " आजादी के बाद कश्मीर का यह पहला ईमानदार निर्वाचन हुआ।" शेख और मोरारजी परस्पर विरोध खेमों में थे। उन्हें भलीभांति स्मरण रहा कि 1948 से तबतक (नेहरु युग से राजीव काल तक) चुनावी धांधली बड़ी आम बात थी। यासिन मलिक इसका जीवंत सबूत है। उसे पाकिस्तान धन देता रहा क्योंकि फारुख, मुफ्ती, उमर और महबूबा की भांति वह राजकोष से दूर-दूर ही था। कोर्ट में उसने अपनी हिंसक अपराधों को बेहिचक स्वीकारा है। राजीव गांधी के हत्यारों की भांति यासिन पर भी सरकार को कृपापात्र होना चाहिये। यह पूछे जाने पर कि उसने शांति मार्ग क्यों नहीं अपनाया ? यासिन द्वारा दिये गये उत्तर पर अदालत को गौर करना चाहिये। यासिन ने कहा : "घाटी में बंदूक संस्कृति की इब्तिदा मुझसे हुयी है। हम चाहते है कि हमें सुना जाये।" सभी कश्मीरी भलीभांति समझते है कि भारतीयों का उत्सर्ग याद रखना चाहिए कि : "जहां हमारा (हिन्दुस्तानियों का) लहू गिरा है, वह कश्मीर हमारा है।" समझौते का आधार भी यही होगा।

आज का कार्टून।

लुप्त हो रहे जीव

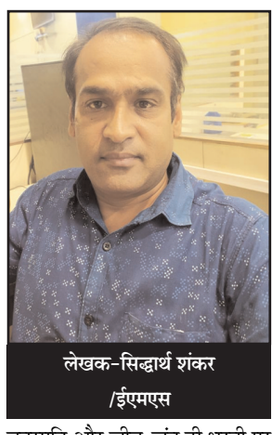

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

वनस्पति और जीव-जंतु ही धरती पर बेहतर और जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं। वन्य जीव चूंकि हमारे मित्र भी हैं, इसलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। अब तक के शोधों से यह सामने आ चुका है कि धरती का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद खराब हो चुका है। मानवीय दखल से दूर रहने के कारण और स्थानीय जनजातीय लोगों की भूमिका की वजह से सिर्फ तीन फीसद हिस्सा ही सुरक्षित रह गया है। ब्रिटेन स्थित स्मिथसोनियन एनवायरनमेंटल रिसर्च सेंटर के मुताबिक विश्व के केवल 2.7 फीसद हिस्से में ही अप्रभावित जैव विविधता बची है, जो बिल्कुल वैसी ही है जैसी पांच सौ वर्ष पूर्व हुआ करती थी। इन क्षेत्रों में सदियों पहले जो पेड़-पौधे और जीव पाए जाते थे, वे प्रजातियां आज भी हैं। जो अप्रभावित जैव विविधता वाला क्षेत्र बचा है, वह भी जिन-जिन देशों की सीमाओं के अंतर्गत आता है, उनमें से केवल 11 फीसद क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। अप्रभावित जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से अधिकांश इलाके उत्तरी गोलार्ध में आते हैं, जहां मानव उपस्थिति कम रही है, लेकिन अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ये जैव विविधता से समृद्ध नहीं थे। धरती पर जैव विविधता के अस्तित्व पर मंडराते संकट को लेकर शोधकताओं का कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं, जबकि कुछ अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला और बीमारियां शामिल हैं। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट 2020 के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी भी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा बन कर उभरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक तस्करी स्तनधारी जीवों की होती है। वन्यजीव तस्करी में 22 फीसद तस्करी के मामले रेंगने वाले जीवों के और दस फीसद पक्षियों के होते हैं। जबकि पेड़-पौधों की तस्करी का हिस्सा 14.3 फीसद है। इंटरनेशनल यूनियन फार कंजर्वेशन आफ नेचर (आईयूसीएन)की वर्ष 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और वनस्पतियों की हजारों प्रजातियां संकट में हैं और आने वाले वक्त में इनके विलुप्त होने की संख्या और दर अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। पक्षियों की प्रजातियों की संख्या में गिरावट को भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में जहां 14 फीसद प्रजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं छह फीसद प्रजातियों की संख्या स्थिर है, जबकि 80 फीसद प्रजातियां कम हुई हैं। इनमें से 50 फीसद प्रजातियों की संख्या में भारी गिरावट और 30 फीसद प्रजातियों में कम गिरावट दर्ज की गई है। सालाना पक्षी गणना में प्रतिवर्ष पक्षियों की संख्या और विविधता में गिरावट आ रही है, जिसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और जंगलों का कटना है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में पक्षियों पर हुए शोध के नतीजे भी चौंकाने वाले हैं। वहां वन क्षेत्रों में मानवीय दखल, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ते प्रदूषण के कारण पक्षियों की संख्या में 60 से 80 फीसद तक की कमी आई है। देहरादून स्थित सेंटर फॉर इकोलाजी, डवलपमेंट एंड रिसर्च (सेडार) और हैदराबाद स्थित सेंटर फार सेल्युलर एंड मालिक्यूलर बायोलाजी के शोधकर्ता यह साझा शोध वर्ष 2016 से हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में कर रहे हैं।

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

महान क्रन्तिकारी जननायक वीर विजय सिंह पथिक का राष्ट्र चिन्तन

लेखिका- डॉ. नाज परवीन (ईएमएस)

गुर्जर इतिहास वीरता, शौर्य और अदम्य साहस से परिपूर्ण है। जमीन से जुडे गुर्जर समाज का इतिहास सवर्णिम अंक्षरों से रचा बसा है। राष्ट्र प्रेमी वंचितों एवं शोषितों के अग्रिम पंक्ति के नेता जिन्होंने भारत को कई भीतरी एवं बाहरी खतरों से बचाने में अपना बलिदान दिया, उस जुझारू समाज का दिवाकर ह्यवीर गुर्जर, विजय सिंह पथिकह्न का जन्म एक क्रान्तिकारी परिवार में 27 फरवरी 1882 में हुआ था। बुलन्दशहर जिले के गांव गुठावली कलां का गुर्जर परिवार माटी से जुडा क्रान्तिकारी परिवार था। इनके दादा इन्द्र सिंह बुलन्दशहर में मालागढ़ रियासत में दीवान के पद पर थे, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में दादा इन्द्रसिंह के शौर्य और बलिदान की गाथा में रमा इनका बचपन एक सशक्त योद्धा का निर्माण कर रहा था। योद्धा किसानों का, मजदूरों का और समाज के हाशिये पर खडे लोगों का। जिनके अधिकारों की बात करना उस दौर में कठिनतम कार्यों में से था। अंग्रेजी हुकूमत के खौफ के आगे आम जनता जिन सवालों को उठाने से भय खाती थी, गुर्जर परिवार निडरता से सबका पक्ष रखता था। इनके बचपन में लोग इन्हें भूप सिंह के नाम से पुकारते थे, पिता हमीर सिंह गुर्जर को ब्रिटिश हुकूमत ने 1857 की क्रान्ति में योगदान देने के लिए गिरफतार कर लिया, इनकी मां कमल कुमारी पर इसका गहरा प्रभाव पडा, जिसका सीधा असर पूरे परिवारिक वातावरण पर देखा जा सकता था। बचपन देश की आजादी के सपनों ने सींचा, बडे हुए तो हाशिये पर खडे लोगों का जीवन सवारने में लग गये। घर-परिवार से पहले भारत को मजबूत राष्ट्र बनाने के स्वप्न में जुट गये, महान वीर गुर्जर विजय सिंह पथिक जी! भारत के गौरव विजय सिंह पथिक अंग्रेजी हुकूमत के गहरे आलोचक थे, इसलिए युवावस्था में ही परिवार की जिम्मेदारी उठाने से ज्यादा देश में आजादी की वकालत की हिमाकत की, और जुड गये रास बिहारी बोस एवं शचीन्द्र नाथ सान्याल जैसे क्रान्तिकारियों के साथ। यह वह दौर था जब ब्रिटिश हुकूमत उन तमाम क्रान्तिकारी गतिविधियों को कुचलने में देर नहीं लगाती थी, जिनमें स्वतंत्रता की किरण नजर आने लगती थी। इसलिए सन- 1915 में फिरोजपुर षडयन्त्र की घटना के पश्चात इन्होंने अपना असली नाम भूपसिंह से बदलकर विजयसिंह पथिक रख लिया, और इसी नाम से ना केवल भारत अपितु इग्लैण्ड की भी ब्रिटिश हुकूमत की आंखों में खटकते रहे। गरीब को गरीबी से बाहर निकालने का जो प्रण उन्होंने लिया वह उनकी विरासत की देन थी। आजादी के इतने पहले यदि मजदूर, किसानों की समस्याओं को किसी ने फांक कर देखा, तो वो वीर गुर्जर विजय सिंह पथिक जी ही थे, जिनकी आंखों में हर वक्त मजबूर किसानों की तंगहाली दिखती थी, मजदूरों के शोषण और अन्याय को दूर करने की जददों जहद में हर वक्त तल्लीन रहते थे भूप सिंह गुर्जर जी। पथिक जी का स्वप्न था कि भारत को शोषण, अन्याय मुक्त बनाना है, वो भी तत्कालीन परिस्थितियों में जबकि आम जनमानस का जीवन अंग्रेजो के हाथों जकडा हुआ था, उनका अथक प्रयास जारी था। महात्मा गांधी के किसान आन्दोलनों से बहुत पहले आपने देश में पहला विशाल किसान आन्दोलन ह्यबिजौलिया आन्दोलनह्न के रूप में खडा किया। जिसका उददेश्य मजबूती से किसान के शोषण और अन्याय के विरूद्ध अलख जगाना था। सन 1912 में राजधानी परिवर्तन और हार्डिंग पर बम काण्ड की गतिविधियों में रास बिहारी बोस, जोरावर सिंह, प्रताप सिंह, के साथ पथिक जी का भी नाम शामिल था जिससे अंग्रेजों से बचने में सफल हुए और फरार हो गए। पथिक जी रास बिहारी बोस के नेतृत्व में 1857 की तर्ज पर एक बडा आन्दोलन तैयार करना चाहते थे, जिसमें अंग्रेजों को उकसाने और राजाओं को अपनी तरफ विद्रोह में शामिल करना था, पथिक जी को राजस्थान का नेतृत्व संभालना था। लेकिन पथिक जी फिरोजपुर षडयन्त्र में अंग्रेजों की आंखों में पहले से चुभ रहे थे, जिसके लिए उन्हें भूमिगत होना पडा। यकीनन हवाओं का रूख दूसरी ओर था, लेकिन पथिक जी का हौसला सदैव बुलन्द रहा, इसलिए अंग्रेजो से छुपते-छुपाते अपनी तैयारियों में कभी कमी नहीं होने दी। आगे जाकर लाहौर केस में भी उनका नाम उछला, तब भी वीर गुर्जर अंग्रेजों की आंखों में धूल झोकने में सफल रहे। ब्रिटिश हुकूमत से बचने के लिए उन्होंने राजस्थानी राजपूतों सा वेश धारण किया एवं चित्तौडगढ़ में रहने लगे। बिजौलिया से आये एक साधु सीताराम दास से वे बहुत प्रभावित हुए और उनके कहने पर ही बिजौलिया आन्दोलन का नेतृत्व संभाला। बिजौलिया उदयपुर रियासत का एक छोटा सा हिस्सा था, जहां किसानों पर घोर अन्याय किया जा रहा था। शोषण और अन्याय से पीडित किसानो को तंगदस्ती में भी मोटी रकम हुकूमत को मालगुजारी के रूप में देनी पडती थी। बिजौलिया जाकर पथिक जी ने उन किसानों की हालत देखकर उन्हें इस अन्याय से मुक्ति का प्रण लेकर सन- 1916 में आन्दोलन का नेतृत्व अपने हाथों में लिया और इतिहास को एक मजबूत आन्दोलनों की राह भी दिखाई। किसानों का आर्थिक शोषण इस हद तक था कि उनसे 84 प्रकार के कर वसूल किए जाते थे, युद्धकोष कर, साहूकारों का शोषण जैसी समस्याओं के कारण किसानों की कमर तोड कर रख दी थी। उन्होंने गांव-गांव में किसान पंचायत की कई शाखाऐं खोली। किसानों की भूमि सुधार मांग, अधिभारों एवं बेगार से सम्बन्धित मुददों को समाज और सरकार के समक्ष रखने का सफल प्रयास किया। जमीन से जुडे इस जननायक के प्रयासो का परिणाम था, कि पंचायत ने भूमि कर न देने का निर्णय लिया। यह वह दौर था जब विश्व में रूसी क्रान्ति 1917 की खूब चचाऐं हो रही थी, समाज को साधने के महारथी जननायक पथिक जी ने आम-जनमानस को इस क्रान्ति से प्रेरित करके भारत में किसानों की शोषण से आजादी का बिगुल फूंका। जिसकी चचाऐं गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपने अखबार 'प्रताप' में जोर-शोर से की हैं। पथिक जी ने किसानों के दर्द को बम्बई जाकर महात्मा गांधी को बतायी। गांधी जी ने वचन दिया कि यदि मेवाड की सरकार किसानों का दर्द दूर नहीं करती तो वे स्वयं बिजौलिया आन्दोलन का नेतृत्व संभालेंगे।

प्रसंगतः कछुए की चतुराई

एक कछुए ने राजा का कोई अपराध किया। राजा उसको कड़ी से कड़ी सजा देना चाहता था। राजा ने कछुए को उल्टा लटकाने का हुक्म दिया। सुनकर कछुए ने कहा- उल्टे लटकने से तो मुझे बड़ा माजा आएगा। मैं चाहता ही था कि सर्दी में मेरे पेट पर धूप लगे। कछुए का बात सुनकर राजा सोच में पड़ गया कि अगर उल्टे लटकने से कछुए को अच्छा लगता है तो यह सजा कैसे हुई? उसने हुक्म दिया कि कछुए का पीठ पर दनादन कोड़े बरसाए जाएं। यह हुक्म सुनकर कछुआ और भी खुश होकर बोला- वाह, यह तो और बहुत अच्छा होगा। इससे ते मेरी पीठ और मजबूत हो जाएगी। कछुए की बात सुनकर राजा ने अपना इरादा बदल दिया उसने कछुए को पानी में फिंकवाने का फैसला किया। कछुआ चिल्लाया- नहीं, नहीं। कुछ भी करो, लेकिन मुझको पानी में मत फेंको। पानी तो बहुत ठंड़ है। सर्दी के मारे मेरी जान ही निकल जाएगी। राजा ने कछुए की एक नहीं सुनी। कछुआ पानी में फेंक दिया गया। राजा खुश था कि आखिर उसने कछुए को सही सजा दी। कछुआ भी खुश था कि वह अपने घर वापस पहुंच गया।

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 3

सूचना की ताकत से समाज में नई चेतना पैदा करें पत्रकार : भूपेन्द्र यादव

टैक्नोलॉजी के प्रयोग से सूचना का महत्व और बढ़ा : गुप्ता

पंचकूला, (हि.स.)। केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने पत्रकारों से तथ्यों पर आधाति पत्रकारिता करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय वहीं होगा जिसकी सूचना तथ्यों पर आधारित होगी और विश्लेषण स्टीक होगा। भूपेंद्र यादव रविवार को देवर्षि नारद जी की जयंती के उपलक्ष्य में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आत्म आडिटोरियम जैनेंद्र गुरूकुल सेक्टर-1 में आयोजित सातवें राज्यस्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भूपेंद्र यादव ने कहा कि विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा समाज में राष्ट्रवादी विचारधारा को सही परिपेक्ष में संजोने का सहरानीय प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने कई महत्वपूर्ण विषयों को बहुत ही अच्छे ढंग से उठाया हैं, जिससे समाज को एक नई दिशा मिली हैं। देवर्षि नारद जी की जयंती पर नमन करते हुये उन्होंने कहा कि सभी के लिये उपलब्धता और जानकारी से परिपूर्ण नारद जी की मुख्य विशेषतायें थी। यादव ने कहा कि छात्र जीवन में पढ़ाई के दौरान उन्हें भी पत्रकारिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। यादव ने कहा कि स्थायित्व के कारण पत्रकारिता में आज भी लेखन में बहुत बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पत्रकार पत्रकारिता के माध्यम से सूचना की ताकत का प्रयोग करते हुये समाज में नई चेतना पैदा करें और महत्वपूर्ण विषयों को जन-जन तक पंहुचाए। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कार्यक्रम में पंहुचने पर भूपेंद्र यादव का पंचकूला का जनप्रतिनिधि होने के नाते पंचकूलावासियों की ओर से केन्द्रीय मंत्री का स्वागत किया। गुप्ता ने कहा कि आज टैक्नोलॉजी के प्रयोग से सूचना का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि पहले केवल प्रिंट मीडिया के माध्यम से ही लोगों को खबरों के बारे में जानकारी प्राप्त होती थी परंतु सूचना प्रोद्यौगिकी के प्रयोग से सूचना के आदान-प्रदान करने के ढंग में बदलाव आया है। अध्यक्ष उच्चतर शिक्षा परिषद हरियाणा बीके कुठियाला ने कहा कि लोक मानस में देवर्षि नारद जी के प्रति आज भी उतना ही सम्मान और श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा देवर्षि नारद जी की जयंती को मनाकर उनके व्यक्तित्व को समाज में वास्तविक रूप में संजोने और उनके संप्रेषण कौशल को आज की पत्रकारिता में समावेश करने का सहरानीय प्रयास किया गया हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्व संवाद केंद्र के सचिव राजेश कुमार ने कहा कि वैसे तो विश्व संवाद केंद्र का मंच किसी तरह मांग करने का मंच नहीं है लेकिन पत्रकार उम्रभर पूरी निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करता है। इस अवसर पर सुमन भटनागर को देवर्षि नारद आजीवन उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सृजना शर्मा को देवर्षि नारद महिला पत्रकारिता गौरव सम्मान पुरस्कार व अशोक कौशिक को देवर्षि नारद पुरूष पत्रकारिता गौरव सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेयर कुलभूषण गोयल, शिक्षाविद डॉ. जोगिंद्र, वरिष्ठ पत्रकार उमेश उपाध्याय, विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति गुरुग्राम यूनिवर्सिटी मारकंडेय आहुजा, वरिष्ठ पत्रकार व छायाकार उपस्थित थे।

हरियाणा पूनिया खाप ने ली कुरीतिया मिटाने की शपथ

-हांसी जाट धर्मशाला में हुई खाप की बैठक

हिसार, (हि.स.)। अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया खाप ने समाज से कुरीतियां दूर करने की शपथ ली है। इस संबंध में हांसी की जाट धर्मशाला में रविवार को अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया खाप सेवा ट्रस्ट की सभा हुई जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान शमशेर सिंह नम्बरदार ने की। सभा में उपस्थित राज्य कार्यकारिणी सदस्य व जिला कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई गई।

सभी पदाधिकारियों व खाप के गणमान्य व्यक्तियों ने समाज हित को ध्यान में रखते हुए सर्वजातीय पूनिया गौत्र में फैली कुरीतियों जैसे नशाखोरी का युवाओं में बढ़ता प्रचलन, दहेज प्रथा, मृत्यु भोज आदि बुराइयों को समाज से मिटाने की शपथ ली। समाज हित के कार्य जैसे आने वाली पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा शिक्षा देना, कमजोर परिवार के होनहार बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में समय-समय पर आर्थिक मदद करना, पूनिया गौत्र के प्रतिभावान व होनहार छात्र-छात्राओं व श्रेष्ठ कार्य करने वाने व्यक्तियों को सम्मानित करना, परिवार में व समाज में भाईचारा बनाये रखना आदि कार्यों को पूनिया खाप की ओर से तहेदिल से समर्थन व पूरा सहयोग दिया जाएगा। एडवोकेट जितेन्द्र छात्तर पूनिया के संचालन में हुई सभा में उपरोक्त के अलावा मुख्य रूप से पूनिया खाप के उपप्रधान नूनिया राम, राजेन्द्र कर्णसिंह, राममेहर पूनिया, हरपाल पूनिया, नरेश पूनिया, कृष्ण गरोली, कृष्ण कोयल, जसमेर पूनिया, दिलदार पूनिया, सतबीर पूनिया, अमृत पूनिया, रामनिवास पूनिया, अनिल पूनिया सहित सभी जिलों के प्रधान व राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए।

इनमें मुख्य रूप से महिपाल शास्त्री, महेन्द्र पूनिया लाडवा, प्रतापसिंह पूनिया, रविन्द्र मंगाली, हरेन्द्र पूनिया, अनूप पूनिया, राजकुमार ठोलेदार, वजीर पूनिया, कर्मवीर पूनिया, रामनारायण पूनिया, रमेश रुपावास, विजेन्द्र पूनिया, दलीप सिंह पूनिया, कर्मवीर पूनिया, सुभाष पूनिया, जितेन्द्र छात्तर, गुरदेव सिंह पूनिया, महेन्द्र मंगाली सहित प्रदेश भर से पूनिया गौत्र के लोग मौजूद रहे।

नियमित योग करना दवा के समान, इसे दिनचर्या में शामिल करें : प्रो. बीआर कम्बोज

-आत्मा की सुनो मन को बनाओ पालतू : डॉ मुकेश कुमार

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं पतंजलि योग समिति हिसार के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय योग विज्ञान शिविर का रविवार को समापन हुआ। उपस्थित सभी योग साधकों ने हवन यज्ञ में पूर्ण आहुति डालकर आनंदित व सुगंधित वातावरण में पूर्ण किया। समिति के प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया एचएयू में नई योग कक्षा की स्थापना कर दी गई है। इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प डॉ. संजय ऐलावादी ने लिया है। एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने इस अवसर पर कहा कि पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। इन्होंने पांच दिन तक लगातार यहां हमें प्रशिक्षण दिया है जिसका हमारे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों, अधिकारियों ने सपरिवार पूर्ण स्वास्थ्य लाभ लिया है। नियमित योग करना दवा है इसलिए आप इसे आगे भी निरंतर जारी रखें और अपनी दिनचर्या में शामिल करें। कुलसचिव डॉ. सुरेंद्र मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि योग सदियों से चला आ रहा है लेकिन इसको सरल रूप में आप सभी के सामने लाने का श्रेय योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज को जाता है। भारत स्वाभिमान हिसार के जिला प्रभारी योगाचार्य डॉ. मुकेश कुमार ने सभी को पांच दिनों तक योग गंगा में डुबकियां लगवाई। उन्होने कहा कि आत्मा की आवाज सुनों व मन को बनाओ पालतू ऐसा करने से हमारा स्वास्थ्य नियंत्रण में रहेगा और हम कभी भी अपने पथ से नहीं भटकेंगे। भारत स्वाभिमान हरियाणा के प्रभारी ईश आर्य ने मुख्य अतिथि व अन्य अधिकारियों को गीता ग्रंथ व योग दर्शन साहित्य भेंट किये और सभी को योग से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

सिरसा जिले में खोले जाएंगे नशा मुक्ति केंद्रः मनोहर लाल

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सिरसा जिले में नशे की बहुत बड़ी समस्या है। 2022 में अभीतक नशे की वजह से सिरसा में 24 व फतेहाबाद में 16 मौत हो चुकी हैं। नशे पर रोक लगाना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए सिरसा जिले में ज्यादा से ज्यादा नशामुक्ति केंद्र खोले जाएंगे। पुलिस व नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा भी जागरूकता फैलाई जाएगी। गांवों में कमेटियां व टीम बनाकर जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रविवार को सिरसा जिला के ओढा में प्रगति रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार का काल मनोहर लाल है। उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार किया है। भ्रष्टाचार सदियों से चला आ रहा था। इसे पकड़ने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई थी। हम आगे आए और भ्रष्टाचारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई शुरू की। आज नौकरियों में भ्रष्टाचार करने वालों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। 800 लोग फिलहाल जेल में हैं और 300 की तलाश जारी है। जो युवा पढ़कर आएंगे, उन्हें योग्यता के आधार पर नौकरी मिलेगी। अब खर्ची और पर्ची नहीं चलने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब ग्राम दर्शन पोर्टल और नगर दर्शन पोर्टल के माध्यम से कोई भी अपने इलाके से जुड़ी समस्या को पोर्टल पर घर बैठे डाल सकते हैं। विभाग द्वारा समस्या पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने पूरे प्रदेश में बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की हैं। प्रदेश में 17 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए गए हैं। इनमें से 6 का काम पूरा हो चुका है। प्रदेशभर में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

शहरों में सभी फाटक पर रेलवे अंडर ब्रिज या रेलवे ओवरब्रिज को बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की घोषणा की जा चुकी है। सिरसा जिले में भी जमीन तय कर ली गई है। कोई जिला ऐसा नहीं होगा, जहां मेडिकल कॉलेज न हो। उन्होंने कहा कि जब 2014 में हमारी सरकार बनी तो एमबीबीएस की 750 सीटें थी। नए मेडिकल कॉलेज खुलने से अब ये सीटें साढ़े 1600 हो गई हैं और जब प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल जाएंगे तो यह सीटें 2900 हो जाएंगी। इससे प्रदेश में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी। वहीं सरकार ने प्रत्येक 20 किलोमीटर पर लड़कियों के लिए कॉलेज की व्यवस्था भी की है। छात्रा परिवहन सुरक्षा योजना के तहत उनकी सुरक्षा पर भी सरकार बल देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार किया जा रहा है। अभी नीति आयोग द्वारा पेश की गई ताजा रिपोर्ट में हरियाणा को शिक्षा के सुधार में पहले स्थान पर रखा है। प्रदेश सरकार ने 650 करोड़ रुपये खर्च कर 10वीं, 11वीं और 12वीं के 5 लाख छात्रों को मुफ्त में टेबलेट वितरित किए हैं। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। सरकार लगातार नए संस्कृति मॉडल स्कूल खोल रही है। इस दौरान बिजली मंत्री रणजीत सिंह, शहर स्थानीय निकाय मंत्री कमल गुप्ता, सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक दुड़ाराम, विधायक गोपाल कांडा, विधायक सोमवीर सांगवान, हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार कृष्ण बेदी, सिरसा के भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य देवीलाल, पंजाब भाजपा नेता सुनील जाखड़ मौजूद रहे।

दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ की ओर से जागरूक अभियान महिला महामारी स्वच्छता दिवस मनाया गया

इंद्रमणि मंडल, रायपुर महिला महामारी स्वच्छता दिवस दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ की ओर से मनाया गया, बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रायपुर में जिसमें भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई, दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ के ओर से महिला महामारी स्वच्छता दिवस को सफल बनाने के लिए सभी महिलाएं उपस्थित रही। महामारी के वक्त होने वाले बीमारी एवं बीमारियों के रोकथाम के बारे में दिल्ली क्राइम नेशनल न्यूज के मेंबर वंदना ठाकुर एवं रिपोर्टर इंद्रमणि मंडल ने विस्तार पूर्वक जानकारियां दी। दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ के मेंबर ओमपाल वर्मा ने यहां पर उपस्थित सभी महिलाओं को नेशनल एनजीओ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की साथ ही सभी महिलाओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए जागरूकता अभियान में शामिल होने के लिए बधाई दिए।

इस अभियान में शामिल होने के लिए दिल्ली क्राइम नेशनल न्यूज के मेंबर सुरजीत सिंह कापसे, वंदना ठाकुर, रिपोर्ट इन्द्रमणी मंडल एवं सुकन्या केयर के वरिष्ठ अधिकारी जयंत विश्वास, जितेंद्र शुक्ला जी उपस्थित रहे।

खेल में जीत हो या हार, मनोबल ऊंचा रखें खिलाड़ी : मनदीप जांगड़ा

हिसार, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मनदीप जांगड़ा ने खिलाडियों का आह्वान किया है कि वे खेल में हार हो या जीत दोनो ही अवस्था में अपना मनोबल ऊंचा रखें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सदैव आगे बढ़ते रहना चाहिए। बॉक्सर मनदीप जांगड़ा रविवार को यहां के लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल टुनार्मेंट के समापन अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। वॉलीबॉल मैच का फाइनल लुवास फैकल्टी व थर्ड ईयर के मध्य खेला गया। इस मुकाबले में दोनों टीम के बीच कड़ी टक्कर हुई जिसमें थर्ड ईयर ने बाजी मार कर ट्रॉफी को अपने नाम किया। छात्र कल्याण निदेशक लुवास डॉ. डीएस दलाल ने बॉक्सर मनदीप जांगड़ा का इस उपलक्ष्य पर पहुंचने के लिए आभार जताया। उन्होंने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि गिनवाते हुए उनसे प्रेरणा लेने तथा खेल भावना बनाए रखने की अपील की। लुवास कुलपति डॉ. विनोद कुमार ने दोनों टीम को बधाई दी तथा विद्यार्थियों को खेलकूद में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने को प्रोत्साहित किया। लुवास स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ. सतबीर शर्मा के निर्देशन में अक्षय, मनीष, योगेंद्र, संजू द्वारा आयोजित लुवास वॉलीबॉल टुनार्मेंट में कुल 10 टीमों ने भाग लिया था।

भाजपा का ऐलान : हरियाणा में निकाय चुनाव अकेले लड़ेंगे

हिसार, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव अपने स्तर पर लड़ने का ऐलान किया है। सहयोगी दल जननायक जनता पार्टी अब अलग फैसला लेगी। भाजपा के इस ऐलान के बाद हरियाणा में गठबंधन के जारी रहने पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद शनिवार देर शाम को भाजपा जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ व प्रदेश चुनाव प्रबंधन कमेटी ने यह निर्णय लिया। फैसले की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान विभिन्न नेताओं से इस पर सुझाव लिए गए थे, जिसके बाद पार्टी ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पालिका चुनाव सिंबल पर लड़ना है या नहीं, यह जिला इकाई तय करेगी।

परशुराम शोभायात्रा की समिति की टीम का हुआ गठन, मंत्री बने रोहित कटारा

फिरोजाबाद भगवान परशुराम शोभायात्रा के संबंध में प्रेस वार्ता का आयोजन रामलीला में स्थित परशुराम शिविर पर किया गया। जिसमें परशुराम यात्रा की 31सदस्यीय लोगों की समिति गठित हुई। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष- सौरभ लहरी व संयोजक एडवोकेट पंकज दुबे ने सामूहिक रुप से समिति का गठन करते हुए बताया कि समिति में उपाध्यक्ष-चेतन दीक्षित श्याम मोहन भारद्वाज सुमित भारद्वाज लवी (धर्मेंद्र पांडे) तिवारी रंजीत दुबे संकल्प शर्मा विशाल दिक्षित अरुण उपाध्याय महामंत्री संजय गर्ग अंशुल उपाध्याय मोहित शर्मा, मंत्री -रोहित कटारा मोनू तैंगुरिया कृष्णकांत शर्मा अमित उपाध्याय हिमांशु वशिष्ठ सानू पचौरी तरुण भेटेले अंकित आदि को बनाया गया, कोषाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष मोहित लहरी मीडिया प्रभारी निकुंज शुक्ला सह मीडिया प्रभारी मोहित शर्मा कार्यकारिणी सदस्य पुनीत भारद्वाज हनी तेंगुरिया आशीष मिश्रा अनुपम शर्मा अनंत पचौरी गौरव शर्मा सचिन तेलंग को बनाया गया।

कानूनी जागरूकता शिविरों का उद्देश्य है हर व्यक्ति को मिले न्यायः आनंद गौतम

दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित दिल्ली क्राइम प्रेस के हेड ऑफिस में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आम लोगों व दिल्ली क्राइम प्रेस एवम एनजीओ के लीडरों को कानूनी जानकारी दी गई। बताते चलें कि शिवर का आयोजन एमएमएच कॉलेज के छात्रो की ओर से किया गया था। शिविर में दिल्ली क्राइम प्रेस के डायरेक्टर अनिल सेठी, दिल्ली क्राइम प्रेस के लीडर राजकुमार कश्यप, मुकेश गुप्ता, वीरेंद्र बघेल, अनिता सिंह, श्याम लाल, पंकज व अन्य लोग मौजूद रहे। शिविर के दौरान आनंद गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम भारत की संसद द्वारा पारित एक कानून है, जो 12 अक्टूबर, 2005 को लागू हुआ. यह कानून नागरिक को जानने का अधिकार देता है। ज्योति गोयल ने बताया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 22 (1) में भी राज्य के लिए कानून के समक्ष समानता, सभी के लिए समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने वाली कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य है। वहीं अंजलि सिंह ने बताया महिला से हंसी-मजाक करना गलत नहीं, लेकिन सेक्सुअल फेवर की चाहत रखना यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। अनन्या यादव ने बताया जानवरों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1972 में भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम पारित किया था। इसका मकसद वन्य जीवों के अवैध शिकार, मांस और खाल के व्यापार पर रोक लगाना था।

जिला गोरखपुर ग्राम बंजारा के बड़हलगंज थाने में दिल्ली क्राइम नेशनल न्यूज पेपर का प्रमोशन करते हुए शैलेन्द्र कुमार

एसडीएम के मौजूदगी में पालिका का चला बुलडोजर

- अतिक्रमण के कारण नालों की नहीं हो पा रही थी सफाई

नरेंद्र पटेल। उप जिलाधिकारी की मौजूदगी में नगर पालिका परिषद का बुलडोजर चला और व्यापक पैमाने पर अतिक्रमण हटाया गया जिसके चलते नालों की सफाई हुई भारी मात्रा में सिल्ट निकाली गई जिससे आने वाले बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या खत्म हो सके। एसडीएम ने सख्त हिदायत दी कि सभी लोग अपने घरों दुकानों के सामने का अतिक्रमण हटाने जिसे नाला नालियों की सफाई हो सके वरना पालिका द्वारा जेसीबी से अतिक्रमण हटाया जाएगा जिससे हानि भी हो सकती है सुबह से ही एसडीएम बिंदकी अवधेश कुमार निगम तथा नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी निरूपमा प्रताप की मौजूदगी में नगर पालिका परिषद का बुलडोजर अतिक्रमण पर चलाया गया नगर के लललौली चौराहे में कई मकानों के सामने तथा दुकानों के सामने व्यापक रूप से बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया और नाले की व्यापक रूप से सफाई की गई जिसके चलते भारी मात्रा में सिल्ट निकाली गई। आगामी बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या ना होने पाए इसके कारण नगर पालिका प्रशासन द्वारा लगातार व्यापक पैमाने पर नालियों के ऊपर के अतिक्रमण हटाने का काम चलाया जा रहा है इसी क्रम में लललौली चौराहे में व्यापक ढंग से अतिक्रमण हटाने का काम किया गया इस मामले में एसडीएम अवधेश कुमार निगम ने कहा कि कुछ लोगों ने अपने घरों तथा प्रतिष्ठानों के सामने अतिक्रमण कर रखा है नालों के ऊपर पक्का स्थाई ढ़लाई कर लिया है जिससे नाला की सफाई करने में दिक्कत आ रही थी इसी को देखते हुए जेसीबी के द्वारा नाला के ऊपर का अतिक्रमण हटाया गया है नाला की सफाई कराई गई है इस मौके पर नगर पालिका परिषद के सफाई प्रवेशाक धर्मेंद्र यादव सहित नगर पालिका परिषद की अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे साथ में कोतवाली का भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा

दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ तहसील हैड एकता व सोशल वर्कर अनिल गुप्ता के सहयोग से फि रोजपुर निवासी अशोक कुमार की एक गंभीर बीमारी का सफलतापूर्वक आपरेशन व इलाज करवाया गया। अशोक कुमार व उसके परिवार के सदस्यों की ओर से दिल्ली क्राइम नेशनल एनजीओ को बहुत बहुत धन्यवाद किया गया।

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 4

ब्राजील में बारिश और भूस्खलन में गई 37 लोगों की जान

रियो डी जनेरियो, (हि.स.)। ब्राजील के पूर्वोत्तर हिस्से में भारी बारिश और भूस्खलन से अब तक 37 लोगों की जान चली गई। करीब 5000 लोग विस्थापित हुए हैं। स्थानीय नागरिक सुरक्षा प्रबंधन के मुताबिक पूर्वोत्तर पेर्नम्बुको प्रांत की राजधानी रिसीफी सिटी में बारिश से सबसे ज्यादा तबाही हुई है। यहां कम से कम 35 लोगों की मौत हुई है।

एक हजार से ज्यादा लोगों अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा हैं। अलागोस प्रांत में दो लोगों की मौत हो गई तथा चार हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सुरक्षा प्रबंधन के मुताबिक शनिवार को रिसीफी में हुए ताजा भूस्खलन में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि पास के कमाराजीबी शहर में एक अन्य भूस्खलन में छह अन्य लोगों की मौत हुई हैं। पेर्नम्बुको वाटर एंड क्लाइमेट एजेंसी के अनुसार, शनिवार को रिसीफी में 150 मिलीमीटर और कमाराजीबी में 129 मिलीमीटर बरसात रिकार्ड की गई।

अमेरिका की कई वेबसाइटों का होगा भारतीय भाषाओं में अनुवाद, हिंदी, गुजराती और पंजाबी भी शामिल

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय भाषाओं के प्रभाव को अब अमेरिका भी स्वीकार करने लगा है। अब अमेरिका के राष्ट्रपति आयोग ने व्हाइट हाउस और अन्य संघीय एजेंसियों की वेबसाइट का एशियाई-अमेरिकी तथा प्रशांत क्षेत्र के लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं में अनुवाद कराने की सिफारिश की है। इन भाषाओं में हिंदी, गुजराती और पंजाबी भी शामिल हैं। प्रेसीडेंट्स एडवायजरी कमीशन ऑन एशियन अमेरिकन्स (एए), नेटिव हवाइयन्स एंड पैसेफिक आइलैंडर्स (एनएचपीआई) ने इन भाषाओं को शामिल करने संबंधी सिफारिशों को हाल ही में मंजूरी दी थी। आयोग की इस माह की शुरूआत में हुई बैठक में सुझाव दिया गया था कि संघीय एजेंसियों को अपनी वेबसाइट पर मौजूद अहम दस्तावेज, डिजिटल सामग्री और आवेदन एए तथा एनएचपीआई द्वारा बोली जानी वाली भाषाओं में उपलब्ध कराने चाहिए। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया था कि लोक एवं आपात चेतावनियों तक ऐसे लोगों की पहुंच भी होनी चाहिए, जिन्हें अंग्रेजी में दक्षता हासिल नहीं है।

इसमें यह भी अनुशंसा की गई थी कि संघीय सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपात/आपदा रोधी अभियान, नीति निर्माण, प्रतिक्रिया प्रबंधन एवं अन्य योजनाएं समावेशी हों तथा अंग्रेजी पर मजबूत पकड़ न रखने वाली आबादी के अनुभवों को प्रतिबिंबित करती हों। इन सुझावों को अब व्हाइट हाउस भेजा गया है, जिन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन कोई निर्णय लेंगे। ऐसा नहीं है कि ये सुझाव एकाएक दिए गए हैं, बल्कि ये तब से लंबित हैं, जब भारतीय-अमेरिकी अजय जैन भूटोरिया ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार रहे बाइडन के लिए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कई भाषाओं में प्रचार किया था और बाइडेन चुनाव जीत गए थे। हिंदी, गुजराती, पंजाबी और तेलुगु भाषाओं में किए गए प्रचार ने सुमदाय पर काफी प्रभाव डाला था। भूटोरिया एक जाने-माने कारोबारी और इस आयोग के सदस्य हैं। उन्होंने बैठक में कहा कि लोगों को किसी खास में ही सूचना उपलब्ध कराने से सूचना अधिक लोगों तक नहीं पहुंच पाएगी।

रूस के आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन ने ब्रिटेन से रक्षा समर्थन मांगा

कीव, (हि.स.)। करीब चार माह से रूस के आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन से फोन पर हुई बातचीत में यूक्रेन के लिए रक्षा समर्थन मांगा है। जेलेंस्की ने ट्वीट किया- 'हमने यूक्रेन के लिए रक्षा समर्थन को मजबूत करने और सुरक्षा गारंटी पर काम तेज करने की बात की।' जेलेंस्की ने कहा कि ऊर्जा संकट के बीच यूक्रेन के लिए ईंधन की आपूर्ति के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इस बीच ब्रिटिश सरकार ने विज्ञप्ति में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बर्बर हमले के खिलाफ अपनी मातृभूमि की रक्षा के प्रयासों में वीर यूक्रेनी सशस्त्र बलों का समर्थन जारी रखने का फैसला किया है। उन्हें आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी।

दोनों नेताओं ने रूस के रवैये पर भी बात की है। प्रधानमंत्री जानसन ने वैश्विक खाद्य संकट को टालने के लिए यूक्रेन से अनाज के निर्यात को फिर से शुरू करने के तरीकों को खोजने के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की। उन्होंने कहा कि यूके तत्काल प्रगति के लिए जी 7 भागीदारों के साथ काम करेगा। नेताओं ने अगले कदम और रूस के लिए अपनी नाकाबंदी में ढील देने और सुरक्षित शिपिंग लेन की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की है। इस बीच यूक्रेन के उप रक्षा मंत्री मलयार ने कहा कि लड़ाई अपने चरम पर है। डोनबास क्षेत्र में शत्रु बल एक साथ कई दिशाओं में हमारे सैनिकों पर हमला कर रहे हैं। हमारे सामने लड़ाई का एक अत्यंत कठिन और लंबा चरण है। इससे पहले शनिवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फ्रांस और जर्मनी के नेताओं से कहा था कि मास्को यूक्रेन के लिए काला सागर बंदरगाहों से अनाज के शिपमेंट को फिर से शुरू करने और उसे संभव बनाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। पुतिन ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और कीव के साथ शांति वार्ता जारी रखने के लिए मास्को की तत्परता की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि मई की शुरूआत में जानसन ने घोषणा की कि ब्रिटिश सरकार यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता में 1.3 बिलियन पाउंड (लगभग 1.64 बिलियन अमेरिकी डालर) प्रदान करेगी।

बांग्लादेश में पेड़ से टकराई बस, नौ की मौत

ढाका, (हि.स.)। बांग्लादेश के बरिशल में रविवार को बस के सड़क किनारे पेड़ से टकरा जाने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 15 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 5:30 बजे ढाका-बरिशाल राजमार्ग पर वजीरपुर उपजिला के सनुहार इलाके में हुआ। घायलों को शेर-ए-बांग्ला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टाइम स्क्वायर की घड़ी में नहीं बजते कभी 12

- यहां की घड़ियों में ग्यारह के बाद सीधे बजते एक

ज्यूरिक (ईएमएस)। क्या आपको मालूम है कि स्विट्जरलैंड का टाइम्स स्क्वायर पर लगी घड़ी में कभी भी बारह नहीं बजते। यहां की घड़ियों में ग्यारह के बाद सीधे एक बजते हैं। अगर आप यहां लगी घड़ियां देखेंगे तो पाएंगे कि इसमें ग्यारह के बाद सीधे एक बज जाता है। घड़ी में बारह का कोई ऑप्शन ही नहीं होता है। घड़ी में बारह के बाद सीधे एक बजने का खास कारण है। दरअसल, यहां रहने वाले लोगों को ग्यारह नंबर से खास लगाव है। यहां आप जिस भी चीज को देखेंगे उसमें ग्यारह नंबर की अहमियत दिखाई देगी। इसी में घड़ी भी शामिल है। यहां मौजूद संग्रहालय से लेकर टावर में भी ग्यारह नंबर की अहमियत देखने को मिलती है। यहां बना सेंट उर्सूस चर्च को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। इस चर्च को बनने में ग्यारह साल लगे थे। साथ ही यहां की सीढ़ियों में भी ग्यारह पंक्ति है। चर्च में ग्यारह दरवाजे हैं और ग्यारह घंटियां है। स्विट्जरलैंड के सोलोथर्न को रोमन लोगों ने करीब दो हजार साल पहले बसाया था। लेकिन इसने चर्चा अपने द्वारा ग्यारह नंबर से खास लगाव के वजह से पाई। यहां ग्यारह चर्च हैं, 11 चेपल हैं, ग्यारह फाउंटेन है, 11 टावर है और 11 म्यूजियम है। ये सभी 15वीं शताब्दी के करीब बनाई गई थीं और कारीगरी का अद्भुत नमूना हैं। ग्यारह नंबर का मतलब है कुछ बेहतर को पाने की चाहत। उसके लिए कोशिश करते रहना। यहां रहने वाले हर शख्स को ग्यारह नंबर से लगाव है। हालांकि, कोई भी इसके पीछे का असली कारण नहीं जानता। इसे लेकर कई तरह की कहानियां प्रचलित है।

डॉगी ने की ऐसी बल्लेबाजी कि लोग देखते ही रह गए

-ट्विटर पर शेयर वीडियो मचा रहा धूम

लंदन (ईएमएस)। ट्विटर पर शेयर एक वीडियो आजकल धूम मचा रहा है। इसमें एक डॉगी ने ऐसी कमाल की बल्लेबाजी की कि लोग देखते ही रह गए। गेंद बैट पर आते ही ऐसा डॉगी ने ऐसा शानदार शॉट मारा कि विराट कोहली और धोनी जैसे महान क्रिकेटर भी शरमा जाएं। फिर तो कुत्ते की कमाल की बल्लेबाजी देख सब चौंक गए। वीडियो को अब तक सवा 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। कोई भी संभावना ऐसे ही नहीं जताई जाती। उसके पीछे कहीं न कहीं एक मजबूत आधार जरूर होता है। यही वजह है कि अब कुत्तों के बढ़ते टैलेंट को देख अंदाजा लगने लगा है कि जल्द ही वो इंसानों पर राज करने लग जाएंगे। दरअसल ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो में एक डॉगी अपने मालिक के साथ क्रिकेट खेलता नजर आ रहा है। कुत्ते ने मुंह में पीले रंग का बैट पकड़ रखा है जबकि मालिक एक पेशेवर गेंदबाज की तरह गेंदबाजी करते हैं जिसपर कुत्ते ने भी इतने शानदार अनुभवी अंदाज में गेंद पर शॉट मारा जिसने देखने वालों को हैरान कर दिया। कहावत है पूत के पांव पालने में ही नजर आ जाते हैं ठीक उसी तर्ज पर डॉगी की एक बाल पर की गई बैटिंग ने उसके भीतर के क्रिकेटर के परिचय करा दिया। तभी तो वीडियो में बॉलिंग करने वाला शख्स की डॉगी का शॉट देख चौंक सा गया। उसे भी खेल-खेल में उछाली गई बॉल पर एख कुत्ते से ऐसे शॉट की उम्मीद शायद ही रही होगी। यही वजह है कि इस कुत्ते की बल्लेबाजी का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। 3 लाख से ज्यादा व्यूज मिले, 27 हजार के करीब लाइक्स के साथ यूजर्स ने 5500 के करीब कमेंट्स भी किए। जिससे डॉगी के बैटिंग स्किल्स का काबिलियत का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता, जिससे उसके मुरीदों की संख्या में हर मिनट इजाफा हो रहा है। डॉगी की प्रतिभा देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि कहीं ऐसा तो नहीं होगा कि इंसान डॉगीज को नहीं बल्कि डॉगीज इंसानों को लेकर घूमने जाएंगे? ये सारी संभावनाएं आशंकाए उनकी बढ़ती प्रतिभा देखकर जताई जाने लगी है।

नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा ने भी 'लिंपियाधुरा-लिपुलेख और कालापानी को उनका क्षेत्र बताया

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी क्षेत्र को लेकर फिर अपना दावा ठोका हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में घोषित योजनाओं और नीतियों में तीन विवादित क्षेत्रों को शामिल नहीं करने पर विचार-विमर्श के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में, प्रधानमंत्री देउबा ने कहा, नेपाल गुटनिरपेक्ष विदेश नीति अपनाता रहा है। नेपाल सरकार ने हमेशा राष्ट्रीय हित को सामने रखा है और अपने पड़ोसियों और अन्य देशों में पारस्परिक लाभ के मुद्दों पर काम किया है। नेपाल सरकार हमेशा अपने क्षेत्रों की रक्षा के लिए तैयार है। लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल के क्षेत्र हैं और नेपाल सरकार को उनके बारे में अच्छी समझ है। नेपाली प्रधानमंत्री ने आगे कहा, सीमाओं का मुद्दा संवेदनशील है और हम समझते हैं कि इन मुद्दों को कूटनीतिक माध्यमों से बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है। इसके लिए हम राजनयिक माध्यमों से अपने प्रयास कर रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और नीतियों में इस मुद्दे को उचित स्थान दिया गया है। इस सप्ताह की शुरूआत में संसद में सरकार की योजनाओं और नीतियों पर विचार-विमर्श में हिस्सा लेते हुए सीपीएन-यूएमएल के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने तिब्बती मुद्दों के लिए अमेरिका के विशेष समन्वयक उजरा जेया के ललितपुर में एक तिब्बती शरणार्थी शिविर के दौरे पर देउबा से सवाल किया। ओली ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर देउबा सरकार का रुख पूछा था, जिसके कारण उनके कार्यकाल के दौरान नेपाल और भारत के बीच राजनयिक संबंध काफी प्रभावित हुए थे।

नेपाल ने वर्ष 2020 में संविधान में संशोधन करते हुए प्रस्तावना संविधान में एक नए राजनीतिक और प्रशासनिक मानचित्र को शामिल किया। नए नक्शे में लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख का त्रि-जंक्शन शामिल है, जो नेपाल और भारत के बीच विवादित क्षेत्र बना हुआ है। पिछले साल नई दिल्ली और काठमांडू के बीच तनाव नेपाल द्वारा मई के मध्य में ट्राई-जंक्शन सहित राजनीतिक मानचित्र जारी करने के बाद पैदा हुआ था। भारत ने नवंबर 2019 में जारी किए गए नक्शे में लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को अपना क्षेत्र बताया था। 8 मई, 2020 को कैलाश मानसरोवर को लिपुलेख के माध्यम से जोड़ने वाली सड़क के उद्घाटन के बाद दोनों राष्ट्रों के बीच राजनयिक संबंध और टूट गए, जिसके बाद नेपाल ने इस क्षेत्र में सड़क निर्माण के भारत के कदम पर कड़ी आपत्ति जताई थी। नेपाल की कड़ी आपत्ति के बाद, भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से गुजरने वाली सड़क पूरी तरह से भारत के क्षेत्र में स्थित है। आपको बता दें कि देउबा से पहले केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में नेपाल में कम्युनिस्ट सरकार थी, जिस पर चीन का करीबी और भारत से दूरी बनाने का आरोप लगा था। इसे लेकर नेपाल में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन भी किया था।

आज का इतिहास 30 मई

1808 फ्रान्स के नेपोलियन बोनापार्ट ने टस्कैनी इटली पर कब्जा किया.
1904 जापानी फौजों ने डाल्मो रूस पर कब्जा किया.
1913 तुर्की और बाल्कन देशों में शांति संधि हुई.
1919 जलियांवालाबाग कांड के विरोध में कविवर रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने सर का खिताब वापस कर दिया.
1955 भारतीय श्रमिक संघ आंदोलन के जनक नारायण मल्हार जोशी का निधन हुआ.
1957 ब्रिटेन ने चीन के साथ व्यापार पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी.
1963 पूर्वी पाकिस्तान अब बंग्लादेश में तूफान से दस हजार से अधिक लोग मारे गए.
1967 मिस्त्र और जार्डन में आपसी रक्षा संधि को हुई.
1992 सुरक्षा परिषद ने मोटेनोग्रो और बोस्निया पर व्यापार प्रतिबंध लागू किए.
1993 मुस्लिम छापामार गुटों ने मशीन गन और तोपों से काबुल पर हमले किए.
2000 हिंदी साहित्य के शताब्दी पुरुष डा. रामविलास शर्मा का निधन.
2001 लखीमपुर में ट्रेन–बस की टक्कर में 22 लोग मरे.
2005 बैरन द्वीप स्थित ज्वालामुखी विस्फोट हुआ.

अफ्रीकी द्वीप में बारिश-बाढ़ के बाद रहस्यमय डेंगू वायरस का संक्रमण, 1 महीने में दर्ज हुए 100 मामले

-डब्ल्यूएचओ ने जताई जताई चिंता, किया आगाह

साओ टोमे (ईएमएस)। महामारी कोरोना के कहर से अभी दुनिया पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है और अब अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र साओ टोमे एंड प्रिंसिपे में पहली बार रहस्यमय डेंगू बुखार का प्रकोप डरा रहा है जिसे लेकर स्वास्थ्य अधिकारी चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 15 अप्रैल से 17 मई तक, एक महीने में 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। लेकिन संभवतः आंकड़ों को कम करके आंका जा रहा है। फिलहाल किसी की मौत दर्ज नहीं की गई है लेकिन रिस्पॉन्स प्लान तैयार कर लिया गया है और कई जिलों में महामारी की जांच चल रही है। डेंगू बुखार फ्लू जैसी एक गंभीर बीमारी है जो एडीज मच्छरों के फैलाए संक्रमण से होती है। मिरर की खबर के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने बीमारी फैलने के नेशनल रिस्क को 'हाई' कहा है क्योंकि पिछले साल दिसंबर से भारी बारिश और बाढ़ के चलते मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण पैदा हुआ है। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता और वाटर मैनेजमेंट की खराब व्यवस्था भी बीमारी को बढ़ा सकती है। डेंगू का प्रकोप ऐसे समय पर फैल रहा है जब देश पहले से कोरोना वायरस, मलेरिया और डायरिया जैसी मुश्किलों का सामना कर रहा है। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि दर्ज किए गए मामलों को संभवतः कम करके आंका जा रहा है क्योंकि डेंगू के ज्यादातर मामले लक्षणहीन हैं। देश में सामूहिक जागरुकता की कमी है। बुखार के साओ टोमे एंड प्रिंसिपे से अन्य देशों में फैलने की संभावना नहीं है क्योंकि द्वीप किसी भी अन्य देश से भूमि सीमाएं साझा नहीं करता है। डब्ल्यूएचओ ने सलाह दी है कि साओ टोमे एंड प्रिंसिपे के बाहरी द्वीपों में स्वास्थ्य केंद्रों को इस प्रकोप के बारे में सूचित किया जाना चाहिए और मामले सामने आने के बाद रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किया जाना चाहिए। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, सिरदर्द और जोड़ों में दर्द शामिल है। 30 सैंपल्स को पिछले महीने लिस्बन की एक लैब में भेजा गया था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक लैब टेस्ट में सामने आया कि सैंपल्स डेंगू पॉजिटिव थे।

कोरोनाः फेफड़े के मरीजों की वायुनलिका हो जाती है ब्लाक

-यही वजह है कि फेफड़े के मरीजों हो जाते है गंभीर

वाशिंगटन (ईएमएस)। शोधकताओं ने ये पता लगा लिया है कि क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज वालों में कोविड संक्रमण आम लोगों की तुलना गंभीर क्यों होता है। इससे फेफड़े की बीमारी वाले लोगों को गंभीर स्थिति से बचाने का नया इलाज भी तलाशा जा सकेगा। ऑस्ट्रेलिया के सेंटेनरी इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी के रिसर्चर्स ने अपनी स्टडी पाया कि सोओपीडी की स्थिति में विंड पाइप यानी वायुनलिका ब्लॉक हो जाती है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। दुनिया भर में इस बीमारी से करीब 40 करोड़ लोग पीड़ित हैं। स्टडी के लिए रिसर्चर्स ने सीओपीडी के रोगियों और हेल्दी लोगों की विंड पाइप से सेल्स निकाल कर उन्हें सार्स-कोव-2 (कोरोना के कारक) से संक्रमित कराया। उन्होंने पाया कि सोओपीडी से ग्रस्त विंड पाइप के सेल्स में हेल्दी सेल्स की तुलना में संक्रमण 24 गुना ज्यादा था। स्टडी के मेन ऑथर और सेंटनरी यूटीएस सेंटर फॉर इन्फ्लेमेशन के रिसर्चर मैट जोहानसेन ने बताया कि संक्रमित कोशिका की आरएनए सीक्वेंसिग के जरिए उसकी जीनेटिक सूचनाएं एकत्रित की गई। सात दिनों बाद पाया गया कि हेल्दी व्यक्ति से ली लिए गए सेल्स की तुलना में सीओपीडी से ग्रसित मरीजों के सेल्स में सार्स-कोव-2 संक्रमण वायल लोड 24 गुना अधिक था। उन्होंने आगे बताया, ह्रसीओपीडी एक इंफ्लेमेटरी डिजीज है जिसमें हेल्दी लोगों की तुलना में मरीजो में बेसलाइन पर सूजन बढ़ जाती है। ऐसे में इसकी संभावना ज्यादा है कि सार्स-कोव-2 इस मौजूदा हाई इंफ्लेमेशन को बढ़ा देता है, जिससे नतीजे और भी खराब हो जाते हैंह्रिसर्च टीम ने स्टडी के दौरान ये भी पाया कि सीओपीडी वाली संक्रमित कोशिकाओं में ट्रांसमेंब्रेन प्रोटीज सेरीन2 और कैथेप्सीन बी का लेवल बढ़ा था।

ब्रिटेन में टारकुवे बंदरगाह पर एक जहाज में लगी आग के बाद निकलता हुआ धूआं। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 5

एलन मस्क बोले, आयातित कार बेचने की अनुमति नहीं, भारत में टेस्ला का नहीं लगेगा संयंत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका की प्रसिद्ध इलेक्ट्रिक कार निमार्ता कंपनी टेस्ला के भारत में आगमन को लेकर अटकले चल रही है। इस बीच, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाने का संकेत दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि जब तक कंपनी को पहली बार दक्षिण एशियाई देश में इंपोर्टेड कारों को बेचने और सर्विसिंग की अनुमति नहीं दी जाती है, तब तक वहां कार प्लांट स्थापित नहीं हो सकता है। इस संबंध में एक शख्स ने ट्विटर पर मस्क से टेस्ला की भारत में प्लांट लगाने की योजना पर सवाल किया था। अरबपति कारोबारी मस्क ने ट्विटर पर इस पोस्ट के जवाब में कहा, टेस्ला ऐसे किसी भी स्थान पर प्रोडक्शन प्लांट नहीं लगाएगी, जहां हमें पहले से कार बिक्री और कार सर्विसिंग की अनुमति नहीं है। यूजर ने यह पूछा था, टेस्ला के बारे में क्या? क्या टेस्ला भविष्य में भारत में प्लांट लगाएगी? एलन मस्क की इस प्रतिक्रिया से पता चलता है कि भारत और टेल्सा के बीच देश में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने पर अभी गतिरोध जारी है। मस्क ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि अगर टेस्ला इंपोर्टेड वाहनों के साथ पहली बार सफल होती है, तो वह भारत में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में अपने व्हीकल लॉन्च करना चाहती है, लेकिन भारत में इंपोर्ट ड्यूटी दुनिया में किसी भी बड़े देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। वर्तमान में, भारत 40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) मूल्य वाली पूरी तरह से इंपोर्टेड कारों पर 100 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी और इस अमाउंट से कम लागत वाली कारों पर 60 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाता है। रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवे मिनिस्टर नितिन गडकरी ने पिछले महीने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का निर्माण करने के लिए तैयार है, तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन कंपनी को चीन से कारों का इंपोर्ट नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर एलन मस्क भारत में निर्माण के लिए तैयार हैं तो कोई समस्या नहीं है। भारत आओ, निर्माण शुरू करो, भारत एक बड़ा बाजार है, वे भारत से एक्सपोर्ट कर सकते हैं। एक शख्स ने मस्क से ट्विटर पर उनके प्रोजेक्ट स्टारलिंक को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का सस्ता और तेज इंटरनेट पूरी दुनिया को मुहैया कराने का विजन बहुत ही शानदार है। उन्होंने मस्क से सवाल किया कि भारत में इसके इस्तेमाल को लेकर क्या अपडेट है। इसके जवाब में मस्क ने कहा कि वह अभी सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

केंद्र ने पीएम-कुसुम योजना की फर्जी वेबसाइट को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने पीएम-कुसुम योजना के नाम पर संचालित की जा रहीं फर्जी वेबसाइट को लेकर लोगों को सजग करते हुए उन्हें किसी भी गैर-सत्यापित लिंक को क्लिक नहीं करने की सलाह दी है। एमएनआरई प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इस योजना में सौर पंप लगाने और कृषि कार्यों के लिए लगे पंप को सौर ऊर्जा मुहैया कराने के लिए सब्सिडी दी जाती है।मंत्रालय ने कहा कि पीएम-कुसुम योजना के तहत पंजीकरण करने का दावा करने वाली कुछ फर्जी वेबसाइट संचालित होने की जानकारी सामने आई है। ये फर्जी वेबसाइट योजना से लाभ पाने की इच्छा रखने वाले लोगों से पैसे इकट्ठा करने में लगी हुई हैं। मंत्रालय ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि व्हाट्सऐप या एसएमएस के जरिये भेजे गए किसी भी पंजीकरण लिंक को क्लिक करने के पहले उसका सत्यापन जरूर करें।

एमएनआरई ने पहले भी सार्वजनिक सूचना देकर लोगों से पंजीकरण शुल्क के नाम पर पैसे न जमा करने की सलाह दी थी। इस बारे में मिलीं शिकायतों के आधार पर संबद्ध पक्षों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। मंत्रालय ने कहा है कि पीएम-कुसुम योजना के तहत पात्रता की जांच और पूरी प्रक्रिया की जानकारी उसकी वेबसाइट एमएनआरई डॉट जीओवी डॉट आईएन से जुटाई जा सकती है।

आरबीआई ने कहा- डिजिटल करेंसी के फायदे और नुकसान पर विचार जारी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह देश में एक डिजिटल मुद्रा की शुरूआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है। आरबीआई ने कहा कि वह डिजिटल मुद्रा की शुरूआत के लिए क्रमिक नजरिया अपनाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि केंद्रीय बैंक एक भारतीय डिजिटल मुद्रा की शुरूआत करेगा। आरबीआई ने हाल ही में जारी 2021-22 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि आम बजट 2022-23 में सीबीडीसी (केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा) की शुरूआत की घोषणा की गई थी। इसके तहत आरबीआई अधिनियम, 1934 में एक उपयुक्त संशोधन को वित्त विधेयक, 2022 में शामिल किया गया है वित्त विधेयक, 2022 को अधिनियमित किया गया है, जो सीबीडीसी की शुरूआत के लिए एक कानूनी ढांचा मुहैया कराता है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि रिजर्व बैंक भारत में एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा की शुरूआत की तैयारी कर रहा है। सीबीडीसी के डिजाइन को मौद्रिक नीति, वित्तीय स्थिरता और मुद्रा तथा भुगतान प्रणालियों के कुशल संचालन के घोषित उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए।' इसमें आगे कहा गया कि रिजर्व बैंक भारत में सीबीडीसी की शुरूआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है और इसे लाने के लिए एक क्रमिक नजरिया अपनाया जाएगा।

पहुंच से दूर हुआ आम और टमाटर, गर्मी से यूपी में बेकार हुआ 80 फीसदी आम, टमाटर भी चौपट हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी की पहुंच से टमाटर और आम भी दूर होता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में इनकी कीमत 100 रुपये के पार पहुंच गई है। समय से पहले गर्मी और लू जारी रहने से टमाटर और आम की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। देश में आम के सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में 80 फीसदी पैदावार प्रभावित हुई है। सप्लाई में कमी के कारण आम और टमाटर की कीमत में भारी उछाल आया है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में टमाटर 120 रुपए किलो बिक रहा है। कम उत्पादन के कारण इस बार आम का निर्यात भी प्रभावित होने की आशंका है। देश में आम का सबसे अधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है, लेकिन इस बार उत्पादन दो दशक में सबसे कम रहने की आशंका है। लू के कारण 80 फीसदी फसल खराब हो गई है। अधिकांश उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में आम की कीमत 100 रुपये किलो के पार चली गई है। कम उत्पादन के कारण आम का निर्यात भी प्रभावित होगा। वेजिटेबल ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट श्रीराम गढवे ने कहा कि टमाटर की कीमतों में हाल फिलहाल कमी आने की उम्मीद नहीं है। जुलाई में जाकर इसमें कुछ नरमी आ सकती है जब नई फसल आएगी। देश में टमाटर की बढ़ती कीमत से सरकार की परेशानी बढ़ सकती हैं, क्योंकि इसका घर-घर में इस्तेमाल होता है। सरकार खाने पीने की चीजों की महंगाई को रोकने के लिए हरसंभव उपाय कर रही है। अप्रैल में महंगाई 8.38 फीसदी पर पहुंच गई जो इस-ाका 17 महीने का उच्चतम स्तर है। खासकर खाने पीने की चीजें महंगी होने के कारण महंगाई बढ़ी है। गढवे ने कहा क्लाइमेट कंडीशन में बदलाव के कारण टमाटर की फसल पर कीड़ों का हमला हुआ। इस कारण सप्लाई में काफी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि पहले एक एकड़ में 10 टन टमाटर की फसल होती थी, जो अब घटकर तीन टन रह गई है, लेकिन लू के कारण टमाटर के फूल मुरझा रहे हैं और इससे भी उत्पादन प्रभावित हो रहा है। देश में हर साल 2.1 से 2.3 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन होता है। टमाटर की फसल गर्मी से बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसी तरह समय से पहले गर्मी शुरू होने और लू जारी रहने से आम की फसल पर भी असर पड़ा है। मैंगो ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट एस इन्सराम अली ने कहा कि लू के कारण आम की बौर पर असर पड़ा। आम के लिए 27 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान सबसे अच्छा रहता है। उत्तर प्रदेश में सालाना 45 लाख टन आम की पैदावार होती है। इस बार पैदावार में गिरावट के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रॉडक्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुताबिक देश की कुल आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश का हिस्सा 23.47 फीसदी है। आंध्र प्रदेश के एक किसान ने कहा कि लू और समय से पहले गर्मी पड़ने के कारण राज्य में भी आम का उत्पादन प्रभावित हुआ है। कम उत्पादन के कारण आम के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। राज्य से यूएई, ओमान, कतर और कुवैत को आम का निर्यात होता है। अली ने कहा कि हमें लगता है कि इस बार शायद ही आम का निर्यात होगा। जो भी फसल बची है, वह देश में ही खप जाएगी।

'ऑलवेज ऑन डिस्प्ले' फीचर के साथ आ सकता है आईफोन 14 प्रो

-अपनी बैटरी लाइफ में भी कर सकता है सुधार

सैन फ्रांसिस्को (ईएमएस)। एप्पल कंपनी के नई पीढ़ी के आईफोन्स का प्रो वर्जन बेहतर स्क्रीन रिफ्रेश रेट के कारण 'ऑलवेज ऑन डिस्प्ले' के साथ आ सकता है।कंपनी द्वारा इसकी तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आईफोन 13 प्रो सीरीज 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट वाले प्रोमोशन डिस्प्ले के साथ आया था, ऐसा लगता है कि इस साल के आईफोन 14 प्रो मॉडल में कुछ अपग्रेड के साथ इस डिस्प्ले तकनीक को भी शामिल किया जाएगा। अनजान लोगों के लिए आ-ईफोन 13 प्रो सीरीज में एलटीपीओ पैनल लगे थे, जिनमें वेरिएबल रिफ्रेश रेट थे जो बेहतर पॉवर एफिशिएंसी की अनुमति देते थे।प्रोमोशन डिस्प्ले मूल रूप से जरूरत पड़ने पर केवल फास्ट फ्रेम रेट का उत्पादन करके बैटरी लाइफ को संरक्षित करने में सक्षम थी। हालांकि, आईफोन 13 प्रो और आईफोन 13 प्रो मैक्स का प्रोमोशन केवल 10 हर्ट्ज और 120 हर्ट्ज के बीच समर्थित रिफ्रेश रेट्स को प्रदर्शित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी ओर, ओप्पो और सैमसंग जैसे ब्रांडों की पेशकश 1 हर्ट्ज जितनी कम हो सकती है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी इस साल के लिए चार नए आईफोन मॉडल तैयार कर रही है, जिसमें आईफोन 14, 14 प्रो, 14 मैक्स और 14 प्रो मैक्स शामिल हैं। आईफोन 14 और प्रो मॉडल 6.1 इंच स्क्रीन के साथ आएंगे, जबकि मैक्स और प्रो मैक्स मॉडल 6.7 इंच स्क्रीन से लैस होंगे। हालाँकि, टेक दिग्गज इस साल 5.4-इंच आईफोन मिनी को बंद कर सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जाने-माने डिस्प्ले एनालिस्ट रॉस यंग का मानना है कि अगली पीढ़ी के आ-ईफोन्स एक प्रोमोशन पैनल का उपयोग करेंगे जो 1 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट तक भी गिर सकता है।इसका मतलब यह होगा कि आईफोन निमार्ता जल्द ही बेहतर सुविधाओं की पेशकश करने में सक्षम हो सकता है और साथ ही आने वाले स्मार्टफोन पर भी अपनी बैटरी लाइफ में सुधार कर सकता है। इनमें से एक बेहतर फीचर में ऑलवेज ऑन डिस्प्ले शामिल है।

अगले महीने लांच होगी नई वेन्यू फेसलिफ्ट

- एसयूवी के लुक और फीचर्स के बारे में जानकारियां सामने आई

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले महीने नई ह्यूंदै वेन्यू फेसलिफ्ट को अनवील किए जाने की साथ ही उसकी कीमत का भी खुलासा कर दिया जाएगा। फिलहाल 2022 वेन्यू फेसलिफ्ट के 3डी मॉडल ने सबकी नींद चुरा ली है। लॉन्चिंग से पहले ही 2022 ह्यूंदै वेन्यू फेसलिफ्ट के लीक 3डी मॉडल में इस एसयूवी के लुक और फीचर्स के साथ ही बहुत सी जानकारियां सामने आई हैं। चलिए, अब डिटेल में बताते हैं। ह्यूंदै वेन्यू 2022 के लुक और फीचर्स की बात करें तो इसमें ह्यूंदै टुसो की तरह पैरामिट्रिक ग्रिल्स देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही स्प्लिट हेडलैंप, एलईडी डीआरएल, नया फ्रंट बंपर, नया रियर बंपर, फॉक्स सिल्वर स्किड प्लेट, नए डिजाइन की अलॉय व्हील्ज, सिल्वर रूफ रेल्स, क्रोम फिनिश वाले डोर हैंडल्स, वॉशर से लैस रियर वाइपर, डीफॉगर, हाई माउंटेड स्टॉप लैंप, शार्क फिन एंटिना और साइड में ब्लैक प्लास्टिक क्लैडिंग देखने को मिलेगी। वहीं, इंजन और पावर की बात करें तो नई वेन्यू में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल, 1.2 लीटर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन देखने को मिलेगा। नई वेन्यू में 6 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और 7 स्पीड डीसीटी या 6 स्पीड आईएमटी ट्रांसमिशन ऑप्शन देखने को मिलेंगे।

इंटाग्राम ने रील्स वीडियो के लिए जारी किया नया फीचर

- 1 मिनट म्यूजिक नाम से नया फीचर किया लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम ने अपने रील्स वीडियो के लिए एक नया फीचर जारी किया है। इसके माध्यम से यूजर्स अब अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मिनट का वीडियो शेयर कर सकते हैं। इंस्टाग्राम ने 1 मिनट म्यूजिक नाम से नया फीचर लॉन्च किया है। यह नया फीचर यूजर को प्लेटफॉर्म पर पूरे 1 मिनट लंबा वीडियो शेयर करने की सुविधा देगा। वन मिनट म्यूजिक फीचर का इस्तेमाल यूजर्स अपने रील्स और इंस्टाग्राम स्टोरी में कर सकते हैं। खास बात ये है कि इंस्टाग्राम ने अपने इस नए फीचर में 200 से ज्यादा भारतीय कलाकारों के संगीत को शामिल किया है। आप इस फीचर में पुराने से लेकर नए सिंगर के गानों को शामिल कर सकते हैं। सिंगर्स में नीति मोहन, हिमांशी खुराना, जस्सी गिल, शान जैसे कलाकारों के गीतों को आप अपने रील में इस्तेमाल कर सकते हैं। इंस्टाग्राम का कहना है कि नए फीचर से यूजर्स अपनी स्टोरी और रील को और ज्यादा मनोरंजक बना सकते हैं। इससे लोगों को अपनी बात रखने या फिर अपना हुनर दिखाने का ज्यादा मौका मिलेगा। अभी तक 30 सेकेंड तक रील बनाई जा सकती है। नए अपडेट में रील को आप 1 मिनट तक बना सकते हैं। टिकटाक बंद होने के बाद इंस्टाग्राम ने दो साल पहले 2020 में रील्स नामक फीचर लॉन्च किया था। दो साल के भीतर ही इस फीचर ने अपनी अलग जगह बनाई है। हाल ही में इंस्टाग्राम ने नया लेआउट पेश किया है। नए लेआउट में यूजर फोटो और वीडियो को फुल स्क्रीन पर देख सकते हैं। बता दें कि मोस्ट पॉपुलर फोटो एप्लिकेशन इंस्टाग्राम अपने यूजर्स के लिए समय-समय पर नए-नए फीचर्स लॉन्च करता रहता है। ताजा अपडेट में इस कडी में उठाया गया कदम है।

चीन की प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनों पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने कहा है कि चीन की प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनों पर डम्पिंग रोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीट-ीआर) ने चीन से इन मशीनों की कथित डंपिंग के खिलाफ जांच की थी और फरवरी में इन पर शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला राजस्व विभाग की तरफ से जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है।

डीजीटीआर जहां आयात होने वाली वस्तुओं पर डम्पिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, वहीं राजस्व विभाग शुल्क लगाने को लेकर अंतिम निर्णय लेता है। इसके अलावा एक अन्य ज्ञापन में विभाग ने कहा कि सरकार ने यूरोपीय संघ, जापान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से मेलामाइन के आयात पर भी डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की भाषा में डंपिंग शुल्क तब लगाया जाता है जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार में किसी उत्पाद की कीमत से कम मूल्य पर किसी वस्तु का निर्यात करती है। इससे आयातक देश के घरेलू उद्योग को नुकसान का सामना करना पड़ता है।

इलेक्ट्रिक कार किआ ईवी6 की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। किआ मोटर्स की पहली इलेक्ट्रिक कार किआ ईवी6 की बुकिंग शुरू हो चुकी है। देशभर के 12 प्रमुख शहरों के 15 डीलरशिप पर लोग 3 लाख रुपये देकर किआ ईवी6 बुक करा सकेंगे। आप चाहें तो किआ ईवी6 को ऑनलाइन भी बुक करा सकते हैं। आगामी 2 जून को किआ ईवी6 की कीमत का खुलासा होने वाला है। इस साल, यानी 2022 में किआ ईवी6 की महज 100 यूनिट बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। ऐसे में आप अगर प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट की किआ ईवी6 खरीदने का मन बना रहे हैं तो बुकिंग जल्द से जल्द करा लें। फिलहाल आपको किआ मोटर्स की पहली इलेक्ट्रिक कार किआ ईवी के बारे में बताएं तो इसे इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा और इस इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर को कंप्लीटली बिल्ट यूनिट के रूप में भारत लाया जाएगा। किआ ईवी को बोल्ड डिजाइन, लेटेस्ट टेक्नॉलजी और बेहतरीन इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस के साथ लॉन्च करने की तैयारी है। किआ ईवी6 को भारत में सिर्फ जीटी लाइन ट्रिम में पेश किया जाएगा और इसके रेड, ब्लू, वाइट, ब्लैक और सिल्वर जैसे कलर ऑप्शन होंगे। वहीं, कीमत की बात करें तो किआ ईवी6 को भारत में 50 लाख रुपये से ज्यादा प्रा-इस रेंज में लॉन्च किया जाएगा।वहीं, पावर, बैटरी और टॉप स्पीड की बात करें तो इसका पावरफुल इलेक्ट्रिक मोटर 320 बीएचपी तक की पावर और 604 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। कंपनी का दावा है कि किआ ईवी6 को एक बार फुल चार्ज करने पर 500 किलोमीटर तक चला सकेंगे।

ओला बनाएगी किफायती इलेक्ट्रिक कार! संयंत्र स्थापित करने कर रही भूमि की तलाश

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल का आसमान छूती कीमतों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद ओला इलेक्ट्रिक अब देश में अपनी दूसरी फैसिलिटी स्थापित करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु बेस्ड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी अब अपने इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बिजनेस पर फोकस करने जा रही है। कंपनी नए प्लांट के लिए जमीन की तलाश कर रही है, जहां वह ओला इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी साथ ही अपने ईवी के लिए बैटरी भी बनाएगी। इससे पहले ओला इलेक्ट्रिक के एक अधिकारी ने पुष्टि की थी कि आगामी इलेक्ट्रिक कार एक नई फ्यूचर फैक्ट्री में बनाई जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने नए प्लांट के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। अब तक, ओला इलेक्ट्रिक अपने घरेलू आधार तमिलनाडु के अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, महा-राष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना में राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। एक महीने के भीतर अंतिम फैसला होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हो सकता है कि नई फैसिलिटी तमिलनाडु के अलावा किसी अन्य राज्य में भी खोली जा सकती है। ओला इलेक्ट्रिक कथित तौर पर नए प्लांट की जमीन के लिए कई राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है।

इसे ईवी फोर-व्हीलर फैक्ट्री के लिए लगभग 1,000 एकड़ जमीन की जरूरत है, जो फ्यूचर फैक्ट्री से लगभग दोगुनी है, जहां यह एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाती है। ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी में फ्यूचर फैक्ट्री की स्थापना की थी, जो दिसंबर 2020 से काम कर रही है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी माना जाता है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल 15 दिसंबर से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी शुरू की थी। ईवी निमार्ता अब भारत का प्रमुख दोपहिया निमार्ता है, जिसकी हर महीने 10,000 से अधिक इकाइयां बिकती हैं। ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ और संस्थापक भाविश अग्रवाल ने इससे पहले इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर स्पेस में कंपनी की योजना का खुलासा किया था। उन्होंने कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक कार की फोटो भी शेयर की थी। शेयर की गई इमेज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ओला इलेक्ट्रिक संभवतः पहले बैटरी इलेक्ट्रिक हैचबैक पर काम करेगी, जो कि एक किफायती ईवी हो सकती है। ओला फिलहाल अपकमिंग इलेक्ट्रिक व्हीकल के डिजाइन पर काम कर रही है। इलेक्ट्रिक कार का अगले दो साल में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

30 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

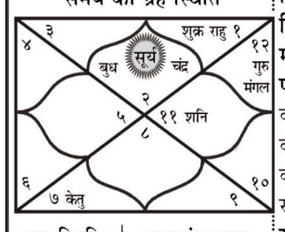

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृष में
चंद्र	वृष में
मंगल	मीन में
बुध	वृष में
गुरु	मीन में
शुक्र	मेष में
शनि	कुंभ में
राहु	मेष में
केतु	तुला में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.22 बजे से
कर्क	08.35 बजे से
सिंह	10.52 बजे से
कन्या	13.03 बजे से
तुला	15.14 बजे से
वृश्चिक	17.29 ब.से
धनु	19.45 बजे से
मकर	21.50 बजे से
कुंभ	23.36 बजे से
मीन	01.09 बजे से
मेष	02.40 बजे से
वृष	04.20 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 150 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 17.00 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 07.12 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 23.38 बजे को समाप्त। **करण** नाग 17.00 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 44' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871264 **जूलियन दिन** 2459729.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 28 **विशेष** वट व्रत, दर्श अमावस्या, शनि जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि 30, सोमवासरे, कृतिका नक्षत्रे, शुक्र योगे, नामकरणे, वृष की चंद्रमा, स्नानदान सोमवती अमावस्या, वट सावित्री व्रत, दक्षिण दिशा यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शास-ाक-प्रशासक, उद्यमी, धनी-मानी, योगी-भोगी होगा।

मेष राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, समय स्थिति का ध्यान रखें।

वृष राशि :- हर्ष, यात्रा, राज सुख, सफलता, हानि, गृह-कलह, मानसिक अशांति रहेगी।

मिथुन राशि :- व्यापार में लाभ, यात्रा, विवाद, उद्योग-व्यापार में कमी, हानि की संभावना है।

कर्क राशि :- शरीर मध्यम, भूमि व राजभय, लाभ, सफलता मिलेगी, रुके कार्य बनेंगे।

सिंह राशि :- वाहन भय, कष्ट, राजसुख, यात्रा होगी, शुभ कार्य में व्यवधान अवश्य ही होगा।

कन्या राशि :- व्यय, प्रवास, विरोध, भूमि लाभ होगा, शेष कार्यों में लाभ अवश्य होगा।

तुला राशि :- रोग-भय, सुख, यात्रा, व्यापार में सुधार, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्यसिद्धी से विशेष लाभ, राजकार्य में व्यय, ध्यान अवश्य दें।

धनु राशि :- लाभ, खर्च, यश, हर्ष, यात्रा, भूमि लाभ, राजकार्य में व्यय, ध्यान अवश्य दें।

मकर राशि :- विरोध, व्यापार में हानि, शारीरिक कष्ट, धार्मिक कार्य में व्यय होगा।

कुंभ राशि :- लाभ, हानि, व्यय, प्रभाव-प्रतिष्ठा, रोगभय, विरोधी असफल होंगे।

मीन राशि :- राजभय, यशमान, लाभ, राजकार्य में विलम्ब तथा परेशानी बनी रहेगी।

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 6

सुपरनोवाज ने तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज का खिताब जीता

पुणे (ईएमएस)। सुपरनोवाज ने वेलोसिटी को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 4 रनों से हराकर तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज खिताब जीता है। इससे पहले सुपरनोवाज ने साल 2018 और 2019 में भी यह खिताब जीता था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 165 रन बनाए। इस दौरान उसकी ओर से डिएंड्रा डॉटिन ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की टीम 8 विकेट पर 161 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की शुरूआत अच्छी रही। उसने तेजी से खेलते हुए 2 ओवर में ही टीम का स्कोर बिना विकेट के 28 रन था। तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा 15 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। अगले ओवर में ही यास्तिका भाटिया भी आउट हो गयीं। उन्होंने 9 गेंद पर 13 रन बनाए। किरण नवगीरे खाता भी नहीं खोल पायीं जबकि एन चैथम 6 रन बनाकर आउट हुईं। इस प्रकार टीम का स्कोर 4 विकेट पर 58 रन पहुंच गया। कप्तान दीप्ति शर्मा भी केवल 2 रन बना पायीं।लौरा वोल्वार्ट और स्नेह राणा ने टीम को संभालने का प्रयास किया पर वह नाकाम रहीं। राणा 15 रन बनाकर लेग स्पिनर अलाना किंग का शिकार हुईं जबकि केट क्रॉस ने 7 गेंद पर 13 रन बनाए, वहीं राधा यादव खाता नहीं खोल पायीं। वोल्वार्ट ने 34 गेंद पर अर्धशतक लगाया। टीम को जीत के लिए अंतिम 12 गेंद पर 34 रन बनाने थे पर टीम विफल रही। सुपरनोवाज की ओर से एक्लेस्टोन ने 2 विकेट लिए। इससे पहले डिएंड्रा डॉटिन 62 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 43 की आक्रामक बल्लेबाजी से सुपरनोवाज ने 7 विकेट पर 165 रन बनाए थे।वेलोसिटी के लिए केट क्रॉस, दीप्ति शर्मा और सिमरन बहादुर ने 2-2 विकेट लिए।

रियल मैड्रिड ने 14वीं बार चैम्पियंस लीग खिताब जीता

भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

पेरिस (ईएमएस)। स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड ने 14वीं बार चैम्पियंस लीग फुटबॉल खिताब जीत लिया है। रियल ने शनिवार देर रात खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के क्लब लिवरपुल को 1-0 से हराया। रियल की ओर से 59वें मिनट में एकमात्र विजयी गोल विनिसियस जूनियर ने किया। चैम्पियंस लीग फाइनल को देखने के लिए तकरीबन 80 हजार दर्शक स्टेडियम में उपस्थित थे। इसी कारण मैच भी 30 मिनट देर से शुरू हुआ। स्टेडियम में प्रवेश के दौरान बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा है कि लिवरपुल के बेकाबू प्रशंसकों पर सबसे ज्यादा आंसू गैस स्प्रे और गोले का इस्तेमाल हुआ। इस मैच को भारतीय समयानुसार देर रात 12.30 बजे शुरू होना था पर यह 30 मिनट देर से शुरू हुआ। यूईएफए ने अपने एक बयान में कहा,सुरक्षा कारणों से मैच देर से शुरू हुआ। वहीं स्टेडियम के बाहर प्रशंसक अपने टिकट दिखाकर प्रवेश करते नजर आये। मैच में दोनो ही टीमों ने शुरूआत से ही एक दूसरे पर हमले बोल दिये। पहला हाफ गोलरहित रहा। वहीं इसके बाद दूसरा हाफ शुरू होते ही रियल ने हमले शुरू कर दिये। इस मैच में रियल के क्लब मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने भी इतिहास बनाया है। अब वह चार बार यह खिताब जीतने वाले पहले मैनेजर बने हैं।

आमिर खान आईपीएल 2022 के फाइनल की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। मशहूर फिल्म अभिनेता आमिर खान का क्रिकेट के प्रति प्यार किसी से छिपा नहीं है। ऑस्कर नामांकित फिल्म लगान में आमिर का भुवन किरदार सभी को आज भी याद है। और, अब आमिर का खेल के प्रति यह प्यार दूसरे स्तर पर पहुंच गया है। अभिनेता आज नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग 2022 (IPL2022) के फाइनल मुकाबले की कमेंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जहां वह अपनी आने वाली लाल सिंह चड्ढा का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी करेंगे। आमिर के साथ कुछ पूर्व क्रिकेटर भी शामिल होंगे, जो आईपीएल 2022 के दौरान कमेंट्री स्टूडियो में दिखाई दे सकते हैं। आमिर खान का कमेंट्री करने वाला पोस्टर कू ऐप (Koo App) पर ट्रेंड (#IPLFinalswith-Aamirkhan) कर रहा है, जिसमें आईपीएल फाइनल्स के साथ-साथ दर्शकों में आमिर खान की कमेंट्री देखने के लिए जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। माना जा रहा है कि, लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर 29 मई को सबसे बहुप्रतीक्षित टी20 क्रिकेट फाइनल में लॉन्च किया जाएगा, जिसकी मेजबानी कोई और नहीं बल्कि आमिर खान खुद करेंगे जिस-ाका प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर हेगा। ट्रेलर रिलीज फाइनल मैच की पहली इनिंग के सेकेंड टाइम आउट के दौरान हो सकता है। आज 29 मई को आईपीएल 2022 का फाइनल मैच रात 8 बजे से शुरू होगा। ये मैच गुजरात टाइटंस (Gujarat Titans) और राजस्थान रॉयल (Rajasthan Royals) के बीच खेला जाएगा। लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर रिलीज पहली पारी के तकरीबन नौवें से 15वें ओवर्स बीच यानी रात 9:00 से 9:30 बजे हो सकता है। आपको बता दें कि आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर और मोना सिंह नजर आएंगी। यह फिल्म टॉम हैंक्स अभिनीत हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप (Forrest Gump) का हिंदी रूपांतरण है, जिस-ाको लेकर दर्शको काफी उत्साहित हैं।

महिला को धमकी देने के मामले में फंसे स्लेटर

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर पर एक महिला को धमकी देने का आरोप लगा है। इस महिला ने स्लेटर पर मारपीट के साथ ही पीछा करने का भी आरोप लगाया है। स्लेटर को इस मामले में हालांकि जमानत मिल गई है। पुलिस के अनुसार,' उत्तरी समुद्र तट पुलिस एरिया कमांड से जुड़े अधिकारियों को वेस्ट प्रोमेनेड, मैनली में बुलाया गया था। वहां आने पर पुलिस को पता चला कि 52 साल के एक व्यक्ति ने 35 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी। इन आरोपों के आधार पर पुलिस स्लेटर को गिरफ्तार करना चाह रही थी।' स्लेटर को मजिस्ट्रेट के सामने इस शर्त के साथ जमानत दी गई है कि उसने पीड़िता से संपर्क नहीं किया था। साथ ही शराब या अवैध ड्रग्स का भी इस्तेमाल नहीं किया। इससे पहले स्लेटर पर अपने पूर्व पार्टनर को पीछा करने एवं धमकाने का भी आरोप लगा था।

फ्रेंच ओपन में कैमेलिया ने गुस्से में फेंक रैकेट

पेरिस (ईएमएस)। फ्रेंच ओपन टेनिस में रोमानिया की महिला खिलाड़ी इरिना कैमेलिया ने अपना रैकेट गुस्से में फेंक दिया। यह रैकेट मैच देखने आये एक बच्चे को लग गया। इसके बाद इरिना ने इस घटना पर माफी मांगते हुए बच्चे को गोद में उठाया और उसके साथ तस्वीर भी खिंचायी। इरिना ने कहा, यह मेरे लिए शर्मनाक क्षण है। मैं बस माफी मांगना चाहती हूं। अपने पूरे करियर में मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है और मुझे वास्तव में बहुत बुरा लग रहा है। घटना के लिए मुझे दुख है। यह एक कठिन क्षण था क्योंकि मैं उस रैकेट को हिट नहीं करना चाहता था। आप रैकेट को मिट्टी में फेंकते हैं पर आप कभी भी उसके इतनी जाने की उम्मीद नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा थी पर ऐसा लगता है कि नियम मेरे खिलाफ थे। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आज के मैच के बाद सभी की सुरक्षा के लिए नियमों में सुधार किया जाएगा। हम अपने रैकेट के लिए जिम्मेदार हैं।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप मैच नये स्टेडिमय में खेले जाएंगे

राउरकेला (ईएमएस)। उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले में देश का सबसे हॉकी स्टेडियम बनाया जा रहा है। इस नये स्टेडियम का नाम बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रखा गया है और यह अक्टूबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। अगले साल जनवरी में एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के मैच इसी स्टेडियम में होंगे। भुवनेश्वर में कलिंग स्टेडियम की क्षमता 15000 दर्शकों की है पर विश्व कप के दौरान बिरसा मुंडा स्टे-डियम में 20000 दर्शक मैदान में रहेंगे। राउरकेला शहर में बाहरी क्षेत्र में स्टेडियम के निर्माण का कार्य पिछले साल जून में शुरू किया गया था। इस स्टेडियम के निर्माण की लागत तकरीबन 200 करोड़ रुपये है। उड़ीसा के खेल विभाग के सलाहकार स्वागत सिंह ने कहा, यह भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम होगा। हमें लग रहा है कि यह विश्व में सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम होगा हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि नहीं की है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अक्टूबर में इस स्टेडियम में प्रो लीग के मैच आयोजित करने की भी योजना है। इनसे इस स्टेडियम का परीक्षण भी हो जाएगा। विश्व कप के बाद सरकार इस पूरे परिसर को हॉकी अकादमी के रूप में बदलेगी।

पहलवान सतेंद्र मलिक ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का किया खंडन

नई दिल्ली, (हि.स.)। रेफरी जगबीर सिंह को मारने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा आजीवन प्रतिबंधित, पहलवान सतेंद्र मलिक ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन किया है और बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों 2022 के लिए चयन परीक्षण की फिर से मांग की है। राष्ट्रमंडल खेलों 2022 के ट्रायल के दौरान मलिक के 125 किग्रा फाइनल हारने के बाद यह घटना हुई, जिसके बाद डब्ल्यूएफआई ने पहलवान पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। मलिक ने कहा, "मेरा करियर अंतिम चरण में है क्योंकि मेरे पास प्रतिस्पर्धा करने के लिए केवल दो-तीन साल बचे हैं। हम एक निश्चित उम्र के बाद नहीं खेल सकते हैं। मेरे सभी विरोधी 23-24 साल के हैं, जिसका मतलब है कि वे 7-8 साल छोटे हैं। मेरा अनुरोध है कि यह मेरे करियर का आखिरी समय है, मैं एक अच्छे प्रदर्शन के साथ आना चाहता हूं और खुद को साबित करना चाहता हूं। इसलिए, मैं एक बार फिर से परीक्षण का अनुरोध करता हूं।" उन्होंने कहा, "एक नए परीक्षण के लिए पूछना मेरा अधिकार है। जिन जूरी ने अपना निर्णय बदल दिया है, उनसे पूछा जाना चाहिए कि वे खिलाड़ियों के साथ ऐसा क्यों करते हैं। यह एक परीक्षण के बाद विश्व चैम्पियनशिप जैसी बड़ी प्रतियोगिता नहीं है जो एक बार हो जाने के बाद फिर से नहीं हो सकती है यहां कोई पदक शामिल नहीं है। यह एक पर-ीक्षण की बात है। वे जितनी बार चाहें ट्रायल ले सकते हैं यदि अधिकारियों ने अपना काम निष्पक्ष तरीके से नहीं किया है।" पहलवान ने कहा कि जगबीर सिंह के आरोप झूठे हैं और दावा किया कि वह अपना बयान बदलते रहते हैं। मलिक ने कहा कि वह मुकाबला जीतने के लिए आश्वस्त हैं और दावा किया कि रेफरी ने "गलत निर्णय" दिया। पहलवान ने बताया कि घटना के दौरान कई पहलवान स्टेडियम में मौजूद थे। बता दें कि मलिक को भारतीय कुश्ती महासंघ ने आईजीआई स्टेडियम में केडी जाधव हॉल के अंदर रेफरी जगबीर सिंह को मारने के लिए जीवन भर के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

संजू सैमसन ने खत्म कराया राजस्थान रॉयल्स का वनवास, 14 साल बाद फाइनल खेलेगी आरआर की टीम

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजस्थान रॉयल्स के प्रशंसकों के लिए यह सीजन शानदार रहा है। 14 साल के लंबे इंतजार के बाद, राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। संजू सैमसन की अगुवाई में खेल रही राजस्थान रॉयल्स ने अहमदाबाद में हुए क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर पर सात विकेट से जीत हासिल की। सैमसन की शानदार कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने इस पूरे सीजन में प्रशंसनीय प्रदर्शन किया है। सैमसन का क्रिकेट खेलने का स्टाइल बड़ा अनोखा है, और उन्होंने इसे बार-बार साबित किया है। हाल ही में, 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस' पर गौरव कपूर के साथ एक इंटरव्यू में सैमसन का बयान ट्विटर पर वायरल हो गया, जिसमें वो सैमसन ने अपने रास्ते में आने वाली असफलताओं के बावजूद सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की बात कहते नजर आ रहे हैं। इस इंटरव्यू के दौरान आरआर कप्तान ने कहा कि वह टीम पर प्रभाव डालना चाहते थे और बहुत सारे रन बनाना पर फोकस नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा" मैं यहां बहुत अधिक रन बनाने के लिए नहीं हूं। मैं बस कुछ ऐसे रन बनाना चाहता हूं, जो टीम के लिए प्रभावशाली साबित हों।" गुजरात के खिलाफ मंगलवार को सैमसन पहली पारी की पिच पर गेंद को अच्छी तरह से टाइम कर रहे थे। वह चाहते तो बड़ा स्कोर कर सकते थे। इसके बजाय, उन्होंने बटलर के कंधे से कुछ दबाव कम करने के लिए इसे अपने ऊपर ले लिया और उन्हें स्लॉग ओवरों तक ले जाने के फॉमूर्ले पर काम किया। सैमसन ने मैच में सिर्फ 26 गेंदों में 47 रनों की तेज पारी खेली। आखिरी प्लेऑफ में, उन्होंने 21 गेंदों में 23 रनों का योगदान दिया, जिससे जायसवाल के विकेट के बाद रनों के बहाव को रोका नहीं और बटलर के लिए बड़े रन बनाने का रास्ता साफ हों गया। हाल ही में, संगकारा ने सैमसन के क्रिकेट के प्रति जुनून और 'कप्तानी में एक्सपेरिमेंट करने की उनकी कोशिशों की सराहना की। हमने देखा है कि पूरे सीजन में उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में अपने आप को कैसे सुधारा है। उन्होंने अपनी टीम पर भरोसा किया और बदले में टीम उन्हें एक लीडर के रूप में फाइनल्स तक लेकर पहुंच गई है। एक कप्तान के तौर पर सैमसन के दिमाग में जोखिम लेने से जुड़ा कोई संकोच नहीं है और राजस्थान रॉयल्स में, उनकी मानसि-ाकता, उनकी भूमिका के साथ पूरी तरह से फिट बैठती है, जो कि शीर्ष क्रम के अधिकांश भारतीय बल्लेबाजों से काफी अलग है जो अपनी फ्रेंचाइजी की कप्तानी कर रहे हैं। पूरे सीजन में, उन्होंने मैथमेटिकल जोखिम उठाए हैं और उनमें से अधिकांश में सफल रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान सैमसन फाइनल मैच में क्या करने की योजना बनाते हैं। अश्विन, चहल, जोस बटलर, और ट्रेंट बोल्ट जैसे तेज तर्रार खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रसिद्ध कृष्णा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं का एक सुपर पैक की कमान संभालना आसान नहीं है; लेकिन सैमसन ने इसे बेहतरीन तरीके से निभाया है। कुछ दिन पहले इरफान पठान ने सैमसन को 'खतरों के खिलाड़ी' और 'आईपीएल के बेहतरीन युवा कप्तानों में से एक' करार दिया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी लगातार टीम और कप्तान की प्रशंसा और समर्थन किया हैं। इससे पहले जैसे ही बटलर ने इस आईपीएल में अपना चौथा शतक जड़ा और राजस्थान को फाइनल में पहुंचाया, वैसे ही ट्विटर पर हंगामा मच गया। सीजन के आखिरी मैच में दोनों टीमों के लिए करो या मरो की स्थिति होगी। 800 से अधिक रनों के साथ बटलर को फर्ग्यूसन और यश दयाल से भिड़ना है। क्या सैमसन राशिद खान के साथ कोई जोखिम लेंगे? विली चहल और प्रयोगात्मक अश्विन के साथ वह क्या रणनीति अपनाएंगे? प्रत्याशा काफी अधिक है। प्रशंसक और क्रिकेट प्रेमी निश्चित रूप से इस मैच को आने वाले युगों तक याद रखेंगे।!!!

बिहार में खेल को आंदोलन का रूप दे रहे हैं नीतीश कुमार : खेल महानिदेशक

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार राज्य खेल विकास प्राधिकरण के महानिदेशक (डीजी) रविंद्र शंकरण ने कबड्डी, वॉलीबॉल एवं ताइक्वांडो खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई करने के साथ ही बेगूसराय के खेल माहौल को भी परखा है। बेगूसराय भ्रमण पर आए रविन्द्र शंकरण ने महात्मा गांधी उच्च विद्यालय बीहट में कबड्डी एवं वॉलीबॉल, कल्याण केंद्र बरौनी रिफाइनरी में ताइक्वांडो तथा रतनपुर में वॉलीबॉल एवं कबड्डी (बालक) खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने एवं खेल में कैरियर के साथ लक्ष्य प्राप्ति के टिप्स बताए। उन्होंने खिलाड़ियों से डी.टी.पी. यानी डिसिप्लिन, ट्रेनिंग एवं परफॉर्मेंस पर फोकस कर खेल में आगे बढ़ने का मंत्र दिया। रविन्द्र शंकरण ने कहा कि छह साल में दस हजार घंटे का खेल प्रैक्टिस करने वाले अपने जीवन में सक्सेस खिलाड़ी के रूप में चिन्हित हुए हैं। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट जैवलिन थ्रो के खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, ऑस्ट्रेलियन तैराक माइकल फेल्प्स, दुनियां के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट एवं अन्य इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में खेलों को आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। अब विद्यालय एवं ओपन खेलों में विजेता तथा उपविजेता टीम, व्यक्तिगत स्पर्धा के खेलों में मेडलिस्ट खिलाड़ियों को बिहार सरकार सीधे खाता में कैश प्राइज दे रही है। बिहार ने अभी नहीं तो कभी नहीं के स्लोगन के साथ 2028 ओलंपिक तक अपना लक्ष्य निर्धारित किया है कि अगले छह साल में कम से कम हर खेल से एक या दो खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले सकें। इसके लिए एक दर्जन खेलों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर प्रतिभावान खिलाड़ियों के चयन, प्रशिक्षण की व्यवस्था खेल विभाग कर रही है। आर्थिक कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न निगमों को एक-एक खेल को गोद दिया गया है जो उस खेल का पालन पोषण करेंगे। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोचों की सेवा ली जा रही है। रग्बी में दक्षिण अफ्रीका से कोच बुलाए गए हैं, बिहार हॉकी टीम का प्रशिक्षण झा-रखंड में कराया जा रहा है। कबड्डी प्रशिक्षण के लिए पूर्व भारतीय खिलाड़ी मेहर सिंह एवं भारोत्तोलन खेल प्रशिक्षण के लिए ओलंपिक खिलाड़ी कुंजरानी देवी से बातचीत की जा रही है। उन्होंने कहा कि बेगूसराय में वॉलीबॉल, कबड्डी एवं ताइक्वांडो खेल का सबसे बेहतर माहौल है। इन खेलों के एकलव्य सेंटर की स्वीकृति बहुत जल्द दी जाएगी, ताकि स्थानीय खिलाड़ी उससें लाभान्वित हो सकें। रविन्द्र शंकर ने महात्मा गांधी उच्च विद्यालय बीहट के मैदान में फ्लड लाइट एवं कबड्डी का मैट, ताइक्वांडो क्लब कल्याण केंद्र में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सेंसर किट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

पेरिस में चैम्पियंस लीग फुटबॉल फाइनल में जीत के बाद उत्साहित रियल मैड्रिड के खिलाड़ी। (फोटो-ईएमएस)

आईपीएल के बाद अब टी20 ब्लास्ट में छक्के बरसा रहे लिविंगस्टोन

लंदन (ईएमएस)। आईपीएल के 15वें सीजन में सबसे ज्यादा छक्के मारने के मामले में दूसरे स्थान पर रहे पंजाब किंग्स के लियाम लिविंगस्टोन अब इंग्लैंड में भी छक्के बरसा रहे हैं। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में लैंकशर की तरफ से खेलते हुए जमकर शॉट खेले हैं। लिविंगस्टोन ने इस दौरान एक छक्का इतना लंबा लगाया कि गेंद सीधे स्टेडियम के बाहर पहुंच गई। इसका एक वीडियो भी वाइटैलिटी ब्लास्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से साझा किया है। लिविंगस्टोन के इस लंबे छक्के को देखकर सभी हैरान हो गये। लिविंगस्टोन ने 16 गेंद में 23 रन बनाये। अपनी इस पारी में लिविंगस्टोन ने 2 चौके और एक छक्का लगाया। इस मैच में लैंकशर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यॉर्कशर की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 7

राष्ट्रपति ने किया आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें अधिवेशन का उद्घाटन

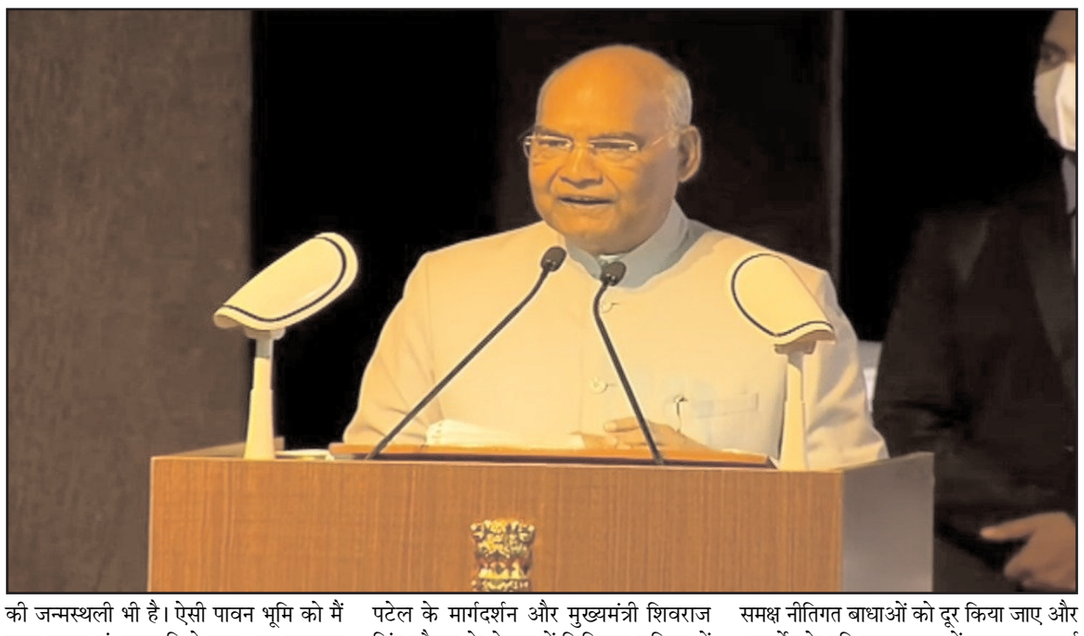

उज्जैन, (हि.स.)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि विश्वभर में अनेक चिकित्सा पद्धतियां हैं, लेकिन आयुर्वेद इससे अलग हैं। इसका अर्थ है साइंस ऑफ लाइफ। आयुर्वेद में रोग के उपचार के साथ-साथ रोग के निवारण पर भी बल दिया जाता है। यह समय आयुर्वेद के ज्ञान को अधिकाधिक समझने और तकनीकी मापदंडों को परिमार्जित कर विश्व को देने का है। आज से हजारों साल पहले चरक संहिता में कहा गया था कि भोजन से पहले हाथ, पैर और मुंह धोना आवश्यक है। इससे बीमारियों से भी बचा सकता है। कोविड-19 के दौरान इसके माध्यम से लाखों लोगों के जीवन की रक्षा हुई है। राष्ट्रपति कोविंद रविवार को उज्जैन में आयोजित अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्यपाल मंगुभाई पटेल मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि उज्जैन से मैं पूरी तरह वाकिफ हूं। सचमुच में भारत गांव का देश है और गांव में जो पारंपरिक चिकित्सा की व्यवस्था है, वह आज भी आयुर्वेद की है। किसी भी चिकित्सा पद्धति ने इसका स्थान अभी तक नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अवंतिका, प्रतिकल्पा जैसे पौराणिक नामों को धारण करने वाली यह नगरी है। यह कृष्ण और सुदामा को शिक्षा देने वाले महर्षि सांदीपनी के गुरूकुल की नगरी है। यह भगवान महाकाल, मंगलकारी भगवान मंगलनाथ की भूमि है। इसके साथ यह प्रकांड ज्योतिषविद पंडित सूर्यनारायण व्यास की जन्मस्थली भी है। ऐसी पावन भूमि को मैं नमन करता हूं। राष्ट्रपति ने कहा, यह जानकर गौरव होता है कि मॉरीशस सहित विश्व के लगभग 20 देशों में आयुर्वेद में अनुसंधान किया जा रहा है। भारत सरकार ने समय-समय पर भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अनेक उपाय किए हैं, परंतु वर्ष 2014 में पृथक आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद इस कार्य में और तेजी आई है। उन्होंने कहा कि मप्र में राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चिकित्सा सुविधाओं को मध्यप्रदेश में लगातार संबल मिलता रहे और यह प्रदेश आयुर्वेद चिकित्सा का गंतव्य बने। आप सब मिलकर मध्यप्रदेश को इण्डिया का एक आयुर्वेद सेंटर स्थापित करने में मदद करें तो उसका क्रेडिट आपको और मध्यप्रदेश सरकार को भी जाएगा। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि आयुर्वेद प्रशासन से जुड़े लोगों से ये अपेक्षा है कि आयुर्वेद के संरक्षण और विस्तार के समक्ष नीतिगत बाधाओं को दूर किया जाए और आयुर्वेद के प्रति जनसामान्य में जागरूता बढ़ाई जाए। आयुर्वेद शिक्षकों से अपेक्षा है कि ऐसे योग्य चिकित्सक तैयार करें जो लोगों को व्यापक तौर पर किफायती उपचार उपलब्ध कराने में अपना अधिक से अधिक योगदान दे सकें। अनुसंधान से जुड़े हुए लोगों से अपेक्षा है कि रोगों के उपचार एवं महामारी विज्ञान के नए-नए क्षेत्रों में आयुर्वेद की प्रभावशीलता और लोकप्रियता को बढ़ाया जाए।

संसद के नए भवन पर महान पौराणिक और ऐतिहासिक नारियों की पेंटिंग लगाई जाएंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संसद के नए भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के अंतर्गत इसे बनाया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री और उप राष्ट्रपति के आवास के साथ मंत्रालय के कई नए ऑफिस भी बनाए जाएंगे। आजादी के 75 साल के मौके पर इसे खास बनाने के लिए इतिहास की महान महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा। इसके तहत पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग पर देश की 75 प्रतिष्ठित महिलाओं की खास पेंटिंग बनाई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग पर द्रौपदी, सीता, रजिया सुल्ताना, अहिल्या होल्कर और भारत की पौराणिक कथाओं और इतिहास की अन्य महिलाओं की पेंटिंग लगाई लगाई जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक ये पेंटिंग संसद भवन की दीवारों की शोभा बढ़ाएगी। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि स्वतंत्रता के 75 साल के जश्न को ध्यान में रखते हुए सरकार वैदिक काल से 1947 तक 75 महिलाओं की पेंटिंग्स को प्रदर्शित करने पर विचार कर रही है। इनमें पेंटिंग और उनके बारे में जानकारी दी जाएगी। बताया जाएगा कि ये महिलाएं कौन थीं और उन्होंने भारतीय इतिहास में क्या भूमिका निभाई। एक दूसरे अधिकारी ने बताया कि कितनी महिलाओं को चित्रित किया जाएगा और चित्रों को कैसे प्रदर्शित किया जाएगा, इस पर निर्णय लिया जाना बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन महान महिलाओं की पेंटिंग लगाई जाएगी उस लिस्ट में 18 वीं शताब्दी की मराठा रानी अहिल्या होल्कर, महाभारत में पांच पांडवों की पत्नी द्रौपदी, देवी सीता और वैदिक युग के कवियों और संतों जैसे अदिति, अप्पला और ऋषि शामिल हैं। चित्रों में कश्मीर की शैव भक्ति परम्परा कवि लालेश्वरी भी शामिल हो सकती हैं। इसके अलावा 16 वीं शताब्दी के कृष्ण की भक्त मीराबाई और 13वीं शताब्दी में दिल्ली पर शासन करने वाली रजिया सुल्ताना हैं। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के हिस्से के रूप में, सरकार एक नया संसद भवन, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए नए आवास और केंद्रीय सचिवालय भवनों का निर्माण कर रही है जिसमें लगभग 51 मंत्रालय होंगे। इसके तहत राजपथ का पुनर्विकास भी किया जा रहा है। इस साल अक्टूबर तक संसद भवन के तैयार होने की उम्मीद है। वहीं सेंट्रल एवेन्यू का काम जून के अंत तक पूरा हो जाएगा।

34 साल बाद रिटायर हुआ आईएनएस गोमती

नई दिल्ली (ईएमएस)। नौसेना ने 34 साल की सेवा के बाद गोदावरी श्रेणी के निर्देशित-मिसाइल पोत 'आईएनएस गोमती' को सेवामुक्त कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन कैक्टस, पराक्रम और रेनबो में शामिल रहे पोत को यहां नौसैन्य डॉकयार्ड में सूर्यास्त के समय सेवामुक्त कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया था कि पोत की विरासत को लखनऊ में गोमती नदी के तट पर तैयार किए जा रहे एक खुले संग्रहालय में रखा जाएगा, जहां उसकी कई युद्धक प्रणालियों को सैन्य तथा युद्ध अवशेषों के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया था कि पोत की विरासत को लखनऊ में गोमती नदी के तट पर तैयार किए जा रहे एक खुले संग्रहालय में रखा जाएगा, जहां उसकी कई युद्धक प्रणालियों को सैन्य तथा युद्ध अवशेषों के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय नौसेना ने इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 'आईएनएस गोमती' का नाम गोमती नदी के नाम पर रखा गया और 16 अप्रैल, 1988 को तत्कालीन रक्षा मंत्री के सी पंत ने मझगांव डॉक लिमिटेड, बंबई में सेवा में शामिल किया था।

राजस्थान में गहलोत का चलेगा जादू या पायलट भरेंगे उड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने नामों का ऐलान नहीं किया है। गहलोत और पायलट गुट के बीच नामों पर आम सहमति नहीं पा रही है। पायलट अपने किसी एक समर्थक के लिए राज्यसभा का टिकट चाहते हैं। जबकि सीएम गहलोत किसी आदिवासी, ओबीसी या फिर अल्पसंख्यक पर दांव खेलना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी में चर्चा है कि 2 सीटों पर बाहरी उम्मीदवार होंगे। जबकि एक सीट पर स्थानीय नेता को उम्मीदवार बनाया जाएगा। गहलोत और पायलट के बीच चल रही खींचतान की वजह से कांग्रेस आलाकमान को नाम फाइनल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। राज्यसभा चुनाव के लिए नाम दाखिल करने की 31 जनवरी अंतिम तिथि है। जबकि 10 जून को मतदान होगा। पायलट को बाहरी नामों पर एतराज नहीं है। पायलट चाहते हैं कि जैसे गहलोत कैबिनेट में उनके समर्थक विधायकों को शामिल किया था। वैसे ही किसी एक समर्थक को राज्यसभा भेजा जाए। हालांकि, अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान को करना है। राजस्थान में 4 में से 3 सीटें कांग्रेस की झोली में आती हुई दिखाई दे रही है। माना जा रहा है कांग्रेस पार्टी आज या फिर सोमवार को राज्यसभा उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करेगी। राजस्थान विधानसभा में मौजूदा संख्या बल कांग्रेस के पक्ष में है। ऐसे में कांग्रेस 2 सीटें आसानी से जीत जाएगी। जबकि एक सीट बीजेपी के खाते में जाना तय है। संघर्ष तीसरी सीट के लिए होगा। संभावना है कि बीजेपी दो प्रत्याशी खड़ा करेगी। ऐसे में तीसरी सीट के लिए रोचक मुकाबला होना तय माना जा रहा है। राज्यसभा की तीन सीट जीतने के लिए कांग्रेस को 123 विधायकों की जरूरत पड़ेगी। कांग्रेस के पास 108 विधायक, भाजपा के पास 71, निर्दलीय 13, आरएलपी 3, बीटीपी 2, माकपा 2 और आरएलडी के पास एक विधायक है। संभावना है कि मौजूगा संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस 4 में 3 राज्यसभा की सीट आसानी से जीत जाएगी। 13 निर्दलीय विधायकों ने हाल ही में गहलोत से मुलाकात कर समर्थन देने का भरोसा दिया है। माकपा के दो विधायक भी कांग्रेस को समर्थन दे सकते हैं। ऐसे संकेत पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रकाश करात ने दिए थे। आरएलडी विधायक का कांग्रेस को समर्थन मिलना तय माना जा रहा है। आरएलडी विधायक मंत्री सुभाष गर्ग गहलोत समर्थक माने जाते हैं। बीटीपी के दो विधायकों का भी कांग्रेस को समर्थन मिलने के पूरे आसार हैं। आखिरी क्षण में सियासी उठापटक नहीं हुई तो कांग्रेस राज्यसभा की 3 सीटें आसानी से जीत जाएगी।

पंजाब में पूरी तरह खत्म हुआ रेत का अवैध खनन सीएम भगवंत मान के मंत्री का दावा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के मंत्री एचएस बैंस ने दावा किया कि पंजाब की आप सरकार ने राज्य में अवैध खनन को पूरी तरह खत्म कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कानूनी रूप से रेत की निकासी एक लाख मीट्रिक टन हो गई है। 'हमने पंजाब से अवैध खनन समाप्त कर दिया है। अवैध खनन के बारे में कोई भी शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा रेत की कानूनी खनन में वृद्धि हुई है। पिछले साल जहां हर दिन 35,000-40,000 मीट्रिक टन रेत की हर रोज निकासी होती थी वहीं अब एक लाख मीट्रिक टन रेत की निकासी हर दिन की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले महीने पंजाब के सीएम भगवंत मान ने घोषणा की थी पंजाब में रेत खनन नीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा था 'मौजूदा खनन नीति की समीक्षा की जा रही है ताकि एक नई व्यापक जन-समर्थक खनन नीति तैयार की जा सके।' उन्होंने ये भी कहा था कि सरकार सस्ती दरों पर निर्माण सामग्री की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा सीएम भगवंत मान ने रेत ठेकेदारों से कहा था कि राज्य सरकार के साथ हुई डील में निर्धारित खनन की शर्तों का कड़ाई से पालन किया जाए ताकि लोगों को बालू की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस महीने की शुरूआत में पंजाब खनन विभाग ने सिक्योरिटी के तौर पर आठ करोड़ रुपये जमा करने पर मोहाली रेत खनन क्लस्टर के साथ कॉन्ट्रेक्ट खत्म कर दिया था। इससे पहले राज्य सरकार ने पिछले महीने रोपड़ रेत खनन कॉन्ट्रेक्ट भी रद्द कर दिया था। बाद में रोपड़ के ठेकेदार द्वारा बकाया शुल्क का भुगतान करने को लेकर सहमत होने पर विभाग ने रोपड़ क्लस्टर का कॉन्ट्रेक्ट फिर से चालू कर दिया था। आप सरकार ने फिरोजपुर और अमृतसर क्लस्टर के साथ भी कॉन्ट्रेक्ट खत्म कर लिया है।

1 जून को सीएम योगी राम मंदिर के लिए गर्भगृह की आधारशिला रखेंगे

अयोध्या (ईएमएस)। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य लगातार प्रगति पर है। इसी कड़ी में 1 जून को राम मंदिर के गर्भगृह की आधारशिला सीएम योगी आदित्यनाथ रखेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारी ट्रस्ट कर रहा है। इसको लेकर इसमें लगने वाले तराशे गए पत्थरों को सेट कर रखा जा रहा है। इन पत्थरों में कुछ पत्थर नए तराशे हुए हैं, जबकि शेष 1990 के दौरान से तराशे गए पत्थर हैं। जिनका उपयोग गर्भगृह के निर्माण से ही किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक, यह कार्यक्रम भूमि पूजन की तरह भव्य न होकर मुख्य मंदिर के निर्माण के सामान्य वैदिक पूजन के साथ 15 मिनट में ही संपन्न हो जाएगा। जिसमें काशी व अन्य धार्मिक स्थलों के विद्वान वैदिक आचार्य शामिल नहीं होंगे। अयोध्या के प्रमुख वैदिक आचार्य ही इस कार्यक्रम को सीएम योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से संपन्न करवा देंगे। मंदिर ट्रस्ट के दूसरे सदस्य कामेश्वर चौपाल का कहना है कि ट्रस्ट की तैयारी दिसंबर 2023 तक मंदिर के ग्राउंड फ्लोर को पूरा करने की है। जिसके पिलर, बीम और छत आदि के लिए पहले से पत्थर तैयार हैं, जो कम पड़ेंगे, उसको पूरा करने के लिए तेजी से पत्थर तराशने का काम भी चल रहा है, लेकिन हर हाल में राम लला को दिसंबर 2023 तक स्थापित करने का लक्ष्य है, इसीलिए इसका निर्माण पहले ही पूरा करने का प्लान है। उन्होंने कहा कि वास्तव में मुख्य मंदिर के गर्भ गृह के निर्माण में आधारशिला के पूजन का कार्यक्रम केवल देश को यह संदेश देने के लिए आयोजित किया जा रहा है कि मुख्य राम मंदिर का निर्माण भी तेजी से शुरू कर दिया गया है। यह सामान्य कार्यक्रम ही होगा। चौपाल ने बताया कि 403 वर्ग फीट क्षेत्र के गर्भगृह के चारों तरफ प्लिंथ पर भी निर्माण कार्य चलेगा। जिस पर परिक्रमा मार्ग भी बन सके। इसकी ऊपरी छत पर पहली मंजिल तक की ऊंचाई का गुंबद बनेगा। बाद में जिसकी ऊंचाई ऊपर की मंजिल के निर्माण के साथ 161 फीट ऊंचे शिखर के रूप में कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि गर्भगृह के साथ ही मंदिर के अंतराल व रंग मंडप का भी निर्माण जल्द पूरा करने की योजना है। जिससे दर्शन शुरू करने के बाद भीड़ को लेकर कोई समस्या न खड़ी होने पाए। राम मंदिर गर्भगृह की आधारशिला के पूजन के पांच दिन पहले शनिवार से निर्माण स्थल पर वैदिक आचार्यों ने पांच दिवसीय विशेष सर्वदेव अनुष्ठान शुरू कर दिया है। इस अनुष्ठान के जरिए मुख्य मंदिर के निर्माण के पहले सभी देवी -देवताओं को प्रसन्न किया जा रहा है। हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी रमेश दास बताते हैं कि किसी काम को करने के पहले सनातन धर्म में देवी-देवताओं के पूजन-अर्चन के माध्यम से उन्हें प्रसन्न किया जाता है। यह एक विशेष प्रकार का अनुष्ठान होता है। जिससे किसी शुभ कार्य में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न होने पाए। यह अनुष्ठान पाठ 5 दिन लगातार दो सत्रों में चलेगा।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 30 may 2022:Layout 1 5/29/2022 6:48 PM Page 8

अभिनेत्री पायल रोहतगी और संग्राम सिंह 9 जुलाई को लेंगे सात फेरे, हो जाएंगे एक दूजे के

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री पायल रोहतगी और उनके मित्र संग्राम सिंह अंततः एक-दूजे के होने जा रहे हैं। 12 साल तक एक-दूसरे को समझने के बाद पायल और संग्राम ने शादी करने का ऐलान किया है। कंगना रनौत का शो लॉक अप करने के बाद पायल रोहतगी फिर से न्यूज में आ चुकी हैं। शो के दौरान संग्राम ने वादा किया था कि वो पायल के बाहर आते ही उनसे शादी करेंगे। देखिये संग्राम अपना वादा भी निभाने जा रहे हैं। 9 जुलाई को संग्राम सिंह और पायल रोहतगी शादी करके हमेशा के लिये एक हो जाएंगे। हांलाकि, अब तक ये फाइनल नहीं है कि शादी उदयपुर से होगी या फिर गुजरात से। संग्राम ने सोशल मीडिया पोस्ट करके शादी की तारीख कंफर्म कर दी है। संग्राम और पायल की वेडिंग डेट फाइनल करने में उनकी मां और बहन ने अहम रोल अदा किया है। इससे पहले संग्राम सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कपल की शादी आर्या समाज के रीति-रिवाज से होगी। पहले कहा जा रहा था कि संग्राम और पायल की शादी 21 जुलाई को होगी, क्योंकि उस दिन संग्राम का बर्थडे होता है। पर नई डेट सामने आ चुकी है। रियलिटी शो लॉक अप में रहते हुए पायल ने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा सच दुनिया के सामने रखा था। शो में पायल ने लाइफ सीक्रेट शेयर करते हुए बताया कि वो कभी मां नहीं बन सकती हैं। इसी वजह से उन्होंने संग्राम को किसी और से शादी करने की सलाह भी दी थी। वहीं संग्राम को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पायल मां बन सकती हैं या नहीं। शायद यही एक अच्छे रिश्ते की पहचान है, जो आपकी कमियां जानने के बाद भी आपका साथ ना छोड़े।

भाषाओं के विवाद पर प्रकाश झा बोले- मुझे कई बार शर्म आती है, मैं देश की भाषाओं को नहीं समझ पाता

मुंबई (ईएमएस)। बॉलिवुड और दक्षिण भाषा को लेकर कुछ दिन पहले अभिनेता अजय देवगन और किच्चा सुदीप से शुरू हुए इस विवाद ने काफी तूल पकड़ लिया था। जिसके बाद इसमें पीएम नरेंद्र मोदी को भी बीच में बोलना पड़ा था। अब निदेशक प्रकाश झा ने भी इस मुद्दे पर टिप्पणी की है। अपकमिंग वेब सीरीज 'आश्रम 3' प्रमोशनल इवेंट के दौरान उन्होंने हिंदी समते अन्य भारतीय भाषाओं के बारे में अपने विचार रखे हैं। कहा है कि उन्हें कई बार तो शरम आती है कि वह अपने ही देश की भाषाओं को समझ नहीं पाते हैं। प्रकाश राज ने कहा, 'हर भाषा अपना महत्व रखती है। और हिंदी हमारे देश में लगभग हर जगह बोली और समझी जाती है। यह एक आम परिचालन की भाषा है। तो उसका अपना स्थान है उसी वजह से। लेकिन हमें बाकी जितनी भी भाषाएं हैं देश में, सब इतनी सम्पुष्ट हैं, गंभीर हैं और सबमें इतना साहित्य है कि हम किसी को नकार नहीं सकते। चाहे वह पंजाबी हो, तमिल हो, तेलुगू हो, मराठी हो, मलायलम हो, बंगाली हो, गुजराती हो जितनी भी भाषाएं हैं हमारे यहां, उन सभी का अपना मान है। अपना मोल है। और हमें सबको मानना चाहिए। मुझे तो कई बार शरम आती है कि मैं अपने ही देश की भाषाओं को नहीं समझ पाता हूं, नहीं बोल पाता हूं कुछ भाषाओं को। मेरा प्रयास रहता है कि मैं जहां जाऊं वहां से कुछ सीखकर आऊं। कोशिश रहती है, तो इस सुंदर से देश में जहां इतने सारे सुंदर भाषाएं हैं, भोजन हैं, संस्कृति है, परिवेश है, सबका मान है। तभी तो मिलकर हम कहते हैं कि देश हमारा है। गुलदस्ता है।'मालूम हो कि अभिनेता किच्चा सुदीप ने कहा था कि हिंदी अब एक राष्ट्रभाषा नहीं रह गई है। इस पर अजय देवगन ने ट्वीट किया था, 'किच्चा सुदीप मेरे भाई, आपके अनुसार अगर हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो आप अपनी मातृभाषा की फिल्मों को हिंदी में डब करके क्यूं रिलीज करते हैं? हिंदी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रीय भाषा थी, है और हमेशा रहेगी। जन गण मन।' इसके बाद सुदीप ने दोबारा रिऐक्ट किया और बताया कि मैंने अपनी बात को किसी दूसरे संदर्भ में कहा था।' इसी के बाद सोनू सूद, सोनू निगम जैसे चर्चित कलाकारों ने अपनी बात भी रखी थी।

पहले प्यार के अनुभव को साझा किया वामिका ने

-एक्ट्रेस ने कहा-मैं हमेशा से रोमांटिक रही हूं

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस वामिका गब्बी रोमांटिक वेब एंथोलॉजी 'मॉडर्न लव मुंबई' को काफी अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। अपने पहले प्यार के अनुभव के बारे में अभिनेत्री ने साझा किया। अभिनेत्री ने साझा किया, "मैं हमेशा से रोमांटिक रही हूं। मुझे प्रेम कहानियां पढ़ने में आनंद आता है।" शोनाली बोस, हंसल मेहता, विशाल भारद्वाज, अलंकृता श्रीवास्तव, ध्रुव सहगल और नुपुर अस्थाना नाम के छह कहानीकारों द्वारा निर्देशित एंथोलॉजी वर्तमान में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है। 'मॉडर्न लव मुंबई' में चित्रांगदा सिंह, अरशद वारसी, फातिमा सना शेख, नसीरुद्दीन शाह, प्रतीक बब्बर, अहसास चन्ना, प्रतीक गांधी, तनिष्ठा चटर्जी, कश्मीरा ईरानी और राहुल वोहरा भी हैं। एंथोलॉजी में वामीका विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित एपिसोड का एक हिस्सा है, जिसका शीर्षक 'मुंबई ड्रैगन' है, जो संस्कृति और परंपराओं की सीमाओं से परे प्रेम की कहानी बताता है। अपने पहले किस के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "जब मैं किशोरी की उम्र की थी तब मैंने चुंबन का अहसास किया था। थोड़ा नर्वस जरूर थी, लेकिन बहुत उत्साहित थी। मैंने दो दिन तक अपना चेहरा नहीं धुला था।" आगे साझा करते हुए उन्होंने बताया कि, "मेरे जीवन में यह खूबसूरत पल काफी दिनों तक चला। जब मैं थोड़ी बड़ी हुई तब मैंने प्रेम कहानियों को पढ़ना शुरू किया।"

श्वेता तिवारी ने किया टीम मेंबर्स के साथ डांस

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में श्वेता अपने टीम मेंबर्स सिद्धांत गाला और पायल सोनी के साथ वायरल ट्रेंड पर डांस करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जब आपका काम वक्त से पहले खत्म हो जाए...तो आपको अपनी टीम के साथ विगल विगल करने का वक्त मिल जाता है।' श्वेता हाल ही में रिलीज हुए एलबम सॉन्ग 'जदो मैं तेरे कोल सी' में सौरभ राज जैन के साथ नजर आई थीं। वीडियो पर श्वेता के फैंस रिएक्ट कर रहे हैं। एक ने लिखा, आप बहुत अच्छी लग रही हैं। दूसरे ने लिखा, आप हमेशा से मेरी फेवरेट हैं।

बिल्डिंग में हुए मर्डर से सहमी हुई हैं देवोलीना भट्टाचार्जी

टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी काफी समय से मुंबई में अपने पेट के साथ अकेले रह रही हैं। हालांकि एक्ट्रेस अपने बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स में हाउस कीपिंग स्टाफ द्वारा किए गए मर्डर के बाद डरी हुई हैं। देवोलीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि इंसिडेंट के बाद वो काफी ज्यादा डर गई हैं, और अब चाहती हैं कि उनकी मां उनके साथ आकर रहने लगें। देवोलीना अक्सर अपने पेट डॉग के साथ पिक्चर्स शेयर करती हैं। उन्होंने एंजल भट्टाचार्जी के लिए अलग सोशल मीडिया अकाउंट बना रखा है। एंजल के इंस्टाग्राम पर 16 हजार फॉलोअर्स हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साइड वाली बिल्डिंग में घर में काम करने वाली डोमेस्टिक हेल्प की हाउस कीपिंग स्टाफ ने हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। इस घटना के बारे में बात करते हुए देवोलीना ने एक इंटरव्यू में बताया "मैं इस घटना के बाद बहुत घबरा गई हूं और अब मेरे लिए घर पर अपने पेट के साथ अकेले रहना अचानक से डरावना हो गया है। यह इंसिडेंट उसी सोसाइटी में हुआ है, जहां मैं रहती हूं।" देवोलीना की मां असम में रहती हैं, एक्ट्रेस ने अपनी मां के बारे में बात करते हुए कहा, "मैं चाहती हूं, वो मेरे साथ आकर रहने लगें।"

कंगना रनौत की 'धाकड़' फ्लॉप साबित हुई

-ओटीटी पर भी नहीं मिल रहा खरीदार

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की पंगा क्वीन कंगना रनौत की फिल्म 'धाकड़' फ्लॉप साबित हुई। फिल्म को ओटीटी पर भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। 'धाकड़' 20 मई को रिलीज हुई थी, जिसमें कंगना रनौत एक जासूस के रोल में दिखीं। अपनी इस फिल्म से ऐक्ट्रेस को काफी उम्मीदें थीं और उन्होंने इसक प्रमोशन में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी थी। 'धाकड़' कंगना रनौत फिल्म के लिए आशीर्वाद लेने बनारस भी गई थीं। लेकिन 'धाकड़' एक बड़ी फ्लॉप साबित हुई है। बॉक्स ऑफिस पर 'धाकड़' की कमाई इतनी है कि जिसके बारे में बात करना भी बेकार है, जबकि यह फिल्म 100 करोड़ के बजट में बनी है। और तो और अब कंगना की इस फिल्म के कई शोज भी कैंसल कर दिए गए हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि अब ओटीटी पर भी जगह पाने के लिए 'धाकड़' को मशक्कत करनी पड़ रही है। 'धाकड़' ने रिलीज के 4 दिनों के अंदर मात्र 3.57 करोड़ कमाए हैं। पहले सोमवार को तो इस फिल्म ने सिर्फ 30 लाख ही कमाए थे। जहां यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के लिए बुरी तरह तरस रही है, वहीं इसे अब सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स बेचने से भी कोई कमाई नहीं होने वाली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आमतौर पर किसी भी फिल्म के सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स मूवी की रिलीज से पहले ही बेच दिए जाते हैं। किसी चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म को राइट्स बेचने के बाद होने वाली कमाई से प्रड्यूसर्स को अच्छा मुनाफा हो जाता है। पर 'धाकड़' के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। सोर्स ने बताया कि मेकर्स ने कंगना रनौत की फिल्म 'धाकड़' के राइट्स फिल्म की रिलीज से पहले यह सोचकर नहीं बेचे कि हो सकता है कोई तगड़ी डील मिल जाए। यही वजह रही कि फिल्म की शुरूआत में भी इस बारे में कुछ जिक्र नहीं किया गया है। जबकि आजकल हर फिल्म के शुरू होने से पहले उसके स्ट्रीमिंग पार्टनर के बारे में जानकारी दी जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोर्स ने बताया कि मेकर्स 'धाकड़' को अमेजन प्राइम वीडियो के बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अब आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि डील क्रैक हो पाती है या नहीं। 'धाकड़' में दिव्या दत्ता और अर्जुन रामपाल भी नजर आए। रिलीज वाले दिन ही फिल्म को थिएटरों में दर्शक नहीं मिल पाए और इस वजह से कई सिंगल स्क्रीन थिएटर्स और मल्टीप्लेक्स में 'धाकड़' के शोज कैंसल कर दिए गए। बताया जा रहा है कि बॉक्स ऑफिस पर कंगना की 'धाकड़' बुरी तरह पिट चुकी है और ऐसे में प्रड्यूसर्स को फिल्म के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स बेचकर अच्छी कमाई हो, इस्की उम्मीद लगाना भी बेकार है। कहा तो यह भी जा रहा है कि 'धाकड़' एक अडल्ट फिल्म है और इसे टीवी पर दिखाने के लिए फिर से सर्टिफिकेशन करवाना होगा, जोकि एक लंबा प्रोसेस है।

नोरा फतेही ने शो में कंटेस्टेंट्स के साथ किया लावणी

नोरा फतेही ने हाल ही में सोशल मीडिया पर रियलिटी शो 'डांस दीवाने जूनियर्स' का एक डांस वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में नोरा मराठी फोक डांस लावणी करती नजर आ रही हैं। वो यह डांस हिट सॉन्ग 'सात समंदर पार' पर कर रही हैं। नोरा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'स्टेज पर अपनी जूनियर्स संग डांस करने में बहुत मजा आया। इस बार मैंने लावणी ट्राय किया। सोनाली और गीत दोनों ही शानदार थीं। पीछे जो आप वीडियो में कमेंट्री सुन रहे हैं, मुझे भी वो पसंद आई है।' यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

हर रोल में परफेक्ट अभिनेता परेश रावल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता परेश रावल का जन्म 30 मई, 1955 को मुंबई में एक गुजराती ब्राह्मण परिवार में हुआ था। परेश के पिता का नाम दह्यालाल रावल था। परेश ने स्कूल की पढ़ाई महाराष्ट्र एसएससी बोर्ड से पूरी की। इसके बाद उन्होंने नरसी मोंजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स और इकनोमिक से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। परेश रावल को बचपन से ही अभिनय में रुचि थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें थियेटर ग्रुप ज्वाइन कर लिया और नाटकों में हिस्सा लेने लगे। इसी दौरान गुजराती फिल्मों के मशहूर निर्देशक निमेष देसाई की नजर उनपर पड़ी। उन्होंने परेश रावल को गुजराती फिल्म 'नसीब नई बलिहारी' में अभिनय करने का मौका दिया। साल 1982 में रिलीज हुई इस फिल्म में परेश 'देवा' नाम के किरदार में नजर आये। इस फिल्म में परेश रावल के अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया। साल 1984 में परेश रावल ने केतन मेहता निर्देशित हिंदी फिल्म 'होली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। लेकिन उन्हें पहचान साल 1986 में आई महेश भट्ट निर्देशित फिल्म 'नाम' से मिली। इस फिल्म में परेश रावल ने स्मगलर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपने शानदार अभिनय से परेश ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बहुमुखी प्रतिभा के धनी परेश रावल ने फिल्मों में जहां विलेन की भूमिका निभा कर दर्शकों को अपने अभिनय से अचंभित किया। वहीं कॉमेडी फिल्मों में अपने हास्यप्रद अभिनय से दर्शकों को खूब हंसाया। रावल की प्रमुख फिल्मों में किंग अंकल , कब्जा ,राम लखन ,अंदाज अपना अपना ,राजा, हीरो नंबर वन, जुदाई ,मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी, हेरा फेरी,बागबान, हलचल, गरम मसाला , मालामाल वीकली , हंगामा, वेलकम,पा, रेड्डी, संजू,उरी:द सर्जिकल स्ट्राइक, मेड इन चाइना आदि हैं। फिल्मों में अभिनय के अलावा परेश रावल ने तीन बहुरानियां और लागी तुझसे लगन जैसे टीवी धारावाहिकों का निर्माण भी किया। परेश रावल को फिल्मों में उनके सराहनीय योगदान के लिए केंद्र सरकार की तरफ से साल 2014 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया । फिल्मों के अलावा परेश रावल राजनीति में भी सक्रिय हैं। परेश रावल की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने अपनी दोस्त एवं मिस इंडिया का खिताब जीत चुकीं अभिनेत्री स्वरूप सम्पत के साथ लम्बे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद साल 1987 में शादी रचाई। परेश रावल और स्वरूप के दो बच्चे अनिरुद्ध रावल और आदित्य रावल हैं। परेश रावल अब भी फिल्म जगत में सक्रिय है और जल्द ही फिल्म शहजादा और हेरा फेरी 3 में अभिनय करते नजर आएंगे।

साइकिलिंग करते वक्त नरगिस फाखरी का हुआ एक्सीडेंट

नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर की है। नरगिस साइकिलिंग करते वक्त वीडियो के लिए पीछे मुड़कर देखती हैं, जिसकी वजह से वो आगे जाकर साइकिल से गिर जाती हैं। हालांकि एक्ट्रेस उठकर वीडियो के लिए पोज देते हुए स्माइल करती हैं। नरगिस ने फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा, "जब आप गिरें तो स्माइल और स्टाइल के साथ। पर याद रखें कि हमेशा खुद को उठाकर चलते रहना है।" फैंस से लेकर सेलेब्स तक सब नरगिस की इस पोस्ट पर रिएक्ट कर रहे हैं। गुरु रंधावा ने कमेंट कर पूछा, 'क्या आप ठीक हैं?' वहीं एक फैन ने लिखा, 'अच्छा है आप ठीक हैं।' एक दूसरे ने लिखा, 'आपका एक्सीडेंट भी स्टाइल में हुआ।' बता दें, नरगिस ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है। रेड कार्पेट के लिए एक्ट्रेस ने पिंक बीज ड्रेस पहनी थी।

अर्चना पूरनसिंह बोलीं- एक्टिंग से दूर होकर अकेलापन महसूस करती हूं

कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो 'द कपिल शर्मा शो' का मौजूदा सीजन फिलहाल खत्म हो रहा है और अब 'इंडियाज लॉफ्टर चैंपियन' की शुरूआत होने जा रही है। इस शो में भी बतौर जज अर्चना पूरन सिंह ही नजर आएंगी। अर्चना पूरन सिंह ने अपने नए शो और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर की हैं। इस शो में भी मैं जज ही रहूंगी। दर्शक जब ये शो देखेंगे तो पाएंगे कि ऐसा स्टैंड अप कॉमेडी शो इससे पहले कभी नहीं आया है। स्टैंड अप कॉमेडी काफी समय से टेलीविजन पर नहीं दिखाई दे रही है। शो में देश के कई प्रांतों से लोग आएंगे और अपनी लिखी स्क्रिप्ट पर स्टैंड अप कॉमेडी करेंगे, जिसे मैं और शेखर सुमन जी जज करेंगे। इससे पहले भी मैं जब कॉमेडी शो कॉमेडी सर्कस या अन्य शोज में बतौर जज या सेलिब्रेटी जज दिखी हूं, वे सभी ग्रुप एक्ट वाले शो थे। जिसकी स्क्रिप्ट दूसरे राइटर्स लिखते थे। करीब 10 साल से ऐसा स्टैंड अप कॉमेडी शो नहीं आया। इसलिए जब मुझे इस्के लिए ऑफर आया तो मुझे लगा कि इसमें बहुत मजा आने वाला है। इसमें एक नयापन भी देखने को मिलेगा।

सूडोकु नवताल- 6086

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6085 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल - 6833

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी		
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा		
वि	स	की	म	को	ह	रा	म	ल	ख	म		
मि	स	स	क	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	दु		
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प		
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	रिं		
क	व	रि	फ्यू	जी	प	बा	ज	ती	व	दा		
श	एं	वा	ई	द	ब	र्ड	डू	ए	श	न्हा		
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	शी	आ		
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द		
वि	ज	अ	ग्नि	सा	क्षी	डि	त	ब	प	म		

शब्दजाल में 'जैकी श्राफ'अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मिशन कश्मीर,रिफ्यूजी,कोहराम,गंगा की कसम, त्रिदेव, फूल और आग, यमराज,बार्डर,अग्निसाक्षी,परिंदा

शब्दजाल - 6832 का हल

र	क	ल	ब्रे	म	ग	र्ल	धी	सी	ल	ज		
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ब्र	इं	ता	ट	वा		
त	स	या	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	ख	द		
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	र	ली	ब		
म	गा	दो	ग	ल्ला	लं	ज	तू	गी	झ	र्नि		
स	क	व	प	ह	न	पू	ना	ता	घ	ग		
त्ते	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे		
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न		
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु		
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	शा	स्त्री	ता		
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	ते		

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5786

3		4	6		5	
	32		32		30	3
1		5			7	2
	26		37		37	
	3	2		6	1	
6	34		34		28	4
7			3			1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5785 का हल

3	4	5	6	7	1	2
6	28	1	36	2	30	4
2	3	4	5	6	7	1
7	33	2	34	3	29	6
4	5	6	7	1	2	3
5	33	7	37	4	33	5
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in